तापमान
अधिकतम 43 .1 डिग्री
न्यूनतम 22 .5 डिग्री

हरिभूमि
जीटी रोड भूमि

रोहतक, रविवार, 7 जून 2026

12 मंत्री विज ने अफसरों को ग्राउंड पर दिखाया आईना

12 बच्चे सोने से एक घंटा पहले बनाएं मोबाइल से दूरी : शैली

हरियाणा का सबसे बड़ा आयुर्वेदिक हस्पताल

बढ़िया आयुर्वेदिक हस्पताल जिसका आपको इंतजार था–तो अब इंतजार किस बात का

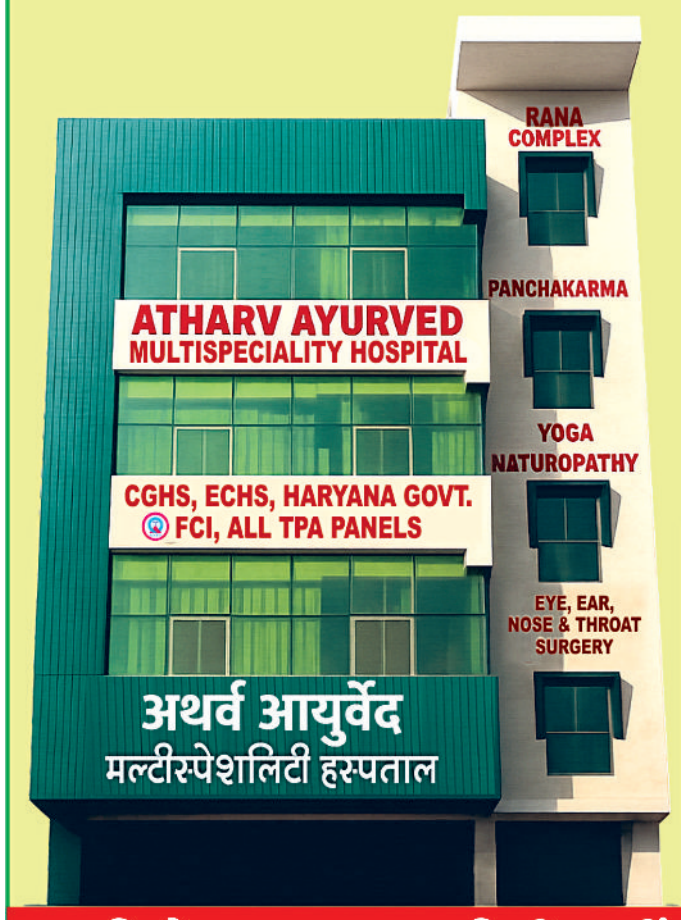

CGHS | ECHS | F.C.I. | Haryana Govt.
सभी प्राइवेट पैनल पर

आयुर्वेद-पंचकर्म-नैचुरोपैथी का संगम

Asli Ayurved With Modern Infra
Ayurved with a Difference-Experience it.

अथर्व™ आयुर्वेद
मल्टीस्पेशलिटी अस्पताल

छोटूराम स्टेडियम के सामने, सोनीपत रोड, रोहतक
Contact: 01262-257211
8053928881, 8053128881
Dr. Prince | Dr. Sanjeev Madaan | Dr. Danish

सभी पैनल्स आपकी सेवा में
CGHS | ECHS | F.C.I. | Haryana Govt.
1. Star Health
2. ICICI Insurance
3. HDFC Insurance
4. Future General Insurance
5. Bajaj Allianz Insurance
6. SBI General Insurance
7. Care Insurance
8. Aditya Birla Insurance
9. Paramount TPA
10. Universal Sompo
11. Chola MS
12. Reliance General
13. Park Mediclaim & Many Others.

माँ बनने का सपना पूरा करें
बांझपन, बार-बार अबोरशन का समाधान
ट्यूब ब्लॉक, रसौली, फाइब्राइड में आप्रेशन क्यों ?
PCOD/PCOS/ Menstrual Disorders
की टेंशन क्यों ? आयुर्वेद–पंचकर्म से इलाज है
क्वालीफाइड, एक्सपीरियन्सड आयुर्वेदिक स्पैशलिस्ट प्रतिदिन मिलते हैं।
पहले व तीसरे शनिवार फ्री ओ.पी.डी.
सुबह 10:00 बजे से 2:00 बजे तक

बिना चीर फाड़
Anorectal Diseases: Piles, Fissure, Fistula etc.
गुदा रोग: बवासीर, भगंदर, फिशर आदि का
क्षार सूत्र, पंचकर्म से पक्का इलाज, ताकि दोबारा न हो
हर शनिवार फ्री चैकअप सुबह 10: बजे से 2:00 बजे तक
क्षार सूत्र/ प्रोसीजर मात्र Rs.10,000* में
आयें, इलाज करायें- शाम को घर जायें।
इलाज से अगले दिन काम पर जायें।
Qualified Expert प्रतिदिन मिलते हैं
*लैब/ दवा खर्च अलग, बिना दाखिला के

Joints Pain
जोड़ क्यों बदलवायें!
अथर्व में आराम पायें
जोड़ों–कमर दर्द, डिस्क, सरवाईकल, गठिया, लकवा, नसों का फूलना/ कमजोरी आदि में
आयुर्वेद-पंचकर्म-नैथुरोपैथी
पेन किलर → साईडइफैक्टस → नो ईलाज
अथर्व आयुर्वेद
नो साईडइफैक्टस ईलाज

गुर्दे-शुगर-बी. पी.
बीमारी और दवाओं दोनों के साइडइफैक्टस की चिंता छोड़
अथर्व आयुर्वेद आएं
- माईग्रेन, थाइरॉयड, पेशाब, सैक्स रोग
- एसिडिटी, कब्ज, आईबीएस आदि लिवर-पेट रोग
- सोरायसिस, एलर्जी, एग्जिमा आदि चमड़ी रोग
- बच्चों व बड़ों की खाँसी, दमा आदि छाती रोग।

अन्य सभी रोगों का
बिना साइड इफैक्टस समाधान
आयुर्वेद-पंचकर्म-नैचुरोपैथी से।

बिना दवा आराम देने वाले डिपार्टमेन्टस

नये-पुराने सभी दर्दों में अग्निकर्म, रक्तमोक्षण से तुरन्त आराम

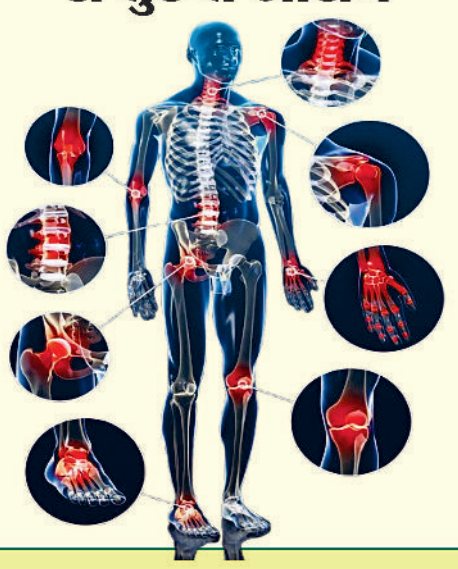

फिज़ीयोथैरेपी

आधुनिक मशीनों एवं क्वाईपफाईड डॉक्टरों द्वारा
जीवन आसान बनायें
दर्द, जकड़न,
जोड़ों, मांस-पेशियों
नसों की कमजोरी,
चोट, ऑप्रेशन के बाद रिकवरी,
स्पोर्टस इंजरी, आदि।

तेज रिकवरी
दर्द नहीं
एक्सपर्ट डॉक्टर
प्रतिदिन मिलते हैं।

योग नैचुरोपैथी

से
बिना दवा ईलाज
शरीर-मन का संतुलन
रोगों से मुक्ति
स्वस्थ लम्बा जीवन पायें;
योगा- नैचुरोपैथी के डॉक्टर प्रतिदिन मिलते हैं।

खबर संक्षेप

श्री मुल्तान ज्योत सभा ने लगाया भंडारा

तरावड़ी। श्री मुल्तान ज्योत सभा तरावड़ी की ओर से पुरुषोत्तम मास के पावन अवसर पर नगर पालिका रोड, तरावड़ी में विशाल भंडारे एवं ठंडे जलजीरे की छबील का आयोजन किया गया। इस दौरान राहगीरों और स्थानीय लोगों को भीषण गर्मी से राहत प्रदान करते हुए उनकी प्यास बुझाई गई और सैकड़ों लोगों को कढ़ी-चावल का प्रसाद वितरित किया गया। समिति के संरक्षक हंसराज पाहुजा ने बताया कि अधिक मास (पुरुषोत्तम मास) में दान-पुण्य का विशेष महत्व होता है और इस पावन अवसर पर सेवा कार्य करने से पुण्य की प्राप्ति होती है। उन्होंने कहा कि समाज के सहयोग से ऐसे धार्मिक एवं सेवा कार्य निरंतर जारी रहेंगे। इस सेवा कार्य में समिति के सदस्यों एवं समाजसेवियों ने बढ़-चढक़र भाग लिया।

एकादशी पर निशान यात्रा का आयोजन

तरावड़ी। एकादशी के पावन पर्व के अवसर पर श्री श्याम सेवादार मंडल द्वारा शहर में भव्य निशान यात्रा का आयोजन किया जा रहा है। यह यात्रा 11 जून को दोपहर 3:30 बजे नगर खेड़ा से प्रारंभ होकर श्री खाटू श्याम मंदिर नत्था सिंह नगर तक पहुंचेगी। इस दौरान श्रद्धालु हाथों में निशान लेकर भक्ति भाव से शहर की प्रमुख सडक़ों से गुजरेंगे। यात्रा का मार्ग बाजार, नगर पालिका रोड और करनाली गेट से होते हुए मंदिर तक निर्धारित किया गया है। ईश्वर जांगड़ा, सतीश दुआ ने बताया कि यात्रा के उपरांत मंदिर परिसर में भव्य बाबा श्याम कीर्तन का आयोजन किया जाएगा, जिसमें भजन संध्या के माध्यम से भक्तों को भक्ति रस में सराबोर किया जाएगा। उन्होंने बताया कि इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि पंजाबी सभा के प्रधान व मार्केट कमेटी उपाध्यक्ष राजीव नारंग होंगे।

लोगों को कपड़े के बैग वितरित किए

करनाल। जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष अजय कुमार शारदा के मार्गदर्शन में मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव मीनाक्षी यादव ने कुंजपुरा रोड मार्केट में आयोजित पर्यावरण सुरक्षा जागरूकता शिविर में भाग लिया। मार्केट एसोसिएशन के पदाधिकारियों और सदस्यों ने उनका स्वागत किया।

कार्यक्रम के दौरान मीनाक्षी यादव ने पौधारोपण किया तथा उपस्थित लोगों को पौधे वितरित कर अधिक से अधिक वृक्ष लगाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के लिए प्लास्टिक का उपयोग कम करने और कपड़े व जूट के बैग अपनाने का संदेश दिया। इस अवसर पर लोगों को कपड़े के बैग भी वितरित किए गए।

करनाल में फायर सेफ्टी जांच अभियान हुआ तेज

दो दर्जन से अधिक संस्थानों को थमाए गए नोटिस

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

दिल्ली में हुए होटल अग्निकांड के बाद करनाल दमकल विभाग ने जिलेभर में फायर सेफ्टी को लेकर विशेष जांच अभियान शुरू कर दिया है। अभियान के तहत होटल, रेस्टोरेंट, ढाबे, अस्पताल, बैंक्वेट हॉल और कोचिंग सेंटरों सहित विभिन्न संस्थानों की फायर सुरक्षा व्यवस्थाओं की गहन जांच की जा रही है। शुरुआती कार्रवाई में दो दर्जन से अधिक संस्थानों को कमियां मिलने पर नोटिस जारी किए जा चुके हैं। जिला दमकल विभाग ने जांच के लिए चार विशेष टीमें गठित की हैं, जो अलग-अलग क्षेत्रों में जाकर संस्थानों का निरीक्षण कर रही हैं। टीमें मौके पर पहुंचकर फायर सेफ्टी उपकरणों, आपातकालीन निकास मार्गों और सुरक्षा प्रबंधों की बारीकी से जांच कर रही हैं। जहां भी कोई कमी पाई जा रही है, वहां तत्काल नोटिस जारी कर निर्धारित समय में सुधार के निर्देश दिए जा रहे हैं।

- दिल्ली होटल अग्निकांड के बाद दमकल विभाग सख्त
- होटलों, अस्पतालों और कोचिंग सेंटरों की हो रही जांच

करनाल। होटल में फायर सिलेंडर की जांच करते दमकल विभाग के अधिकारी।

फायर एनओसी वाले संस्थानों की भी जांच

सब फायर ऑफिसर रणदीप चौहान ने बताया कि जिन संस्थानों के पास फायर एनओसी है, वहां भी केवल दस्तावेजों के आधार पर नहीं बल्कि मौके पर सिस्टम चलवाकर उसकी कार्यक्षमता जांची जा रही है। कई स्थानों पर उपकरण तो स्थापित मिले, लेकिन वे सही ढंग से कार्य नहीं कर रहे थे। ऐसे मामलों में संबंधित प्रबंधन को कमियां दूर करने के निर्देश दिए गए हैं।

बैंक्वेट हॉल में भी जांच

अभियान के दौरान बैंक्वेट हॉल और बड़े आयोजनों के स्थलों पर लगे फायर फाइटिंग सिस्टम की भी जांच की गई। निरीक्षण के दौरान कई जगह तकनीकी कमियां सामने आईं, जिन्हें जल्द ठीक करने के निर्देश दिए गए हैं। अधिकारियों ने बताया कि अभियान आगे भी जारी रहेगा और सभी संस्थानों में सुरक्षा मानकों का पालन सुनिश्चित किया जाएगा।

बिना एनओसी वाले संस्थानों पर सख्ती

विभाग ने स्पष्ट किया है कि जिन संस्थानों ने फायर एनओसी नहीं ली है, उन्हें सख्त नोटिस जारी किए जा रहे हैं। नियमों की अनदेखी करने वाले संस्थानों के खिलाफ कार्रवाई की जाएगी। विभाग का कहना है कि लोगों की सुरक्षा से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा।

बस, ट्रक और ट्रैक्टर-ट्रॉली के बीच टक्कर में चालक की मौत

तरावड़ी। जीटी रोड पर रात को हुए सड़क हादसे में क्षतिग्रस्त हुए वाहन।

हरिभूमि न्यूज ▶▶| तरावड़ी

तरावड़ी के जीटी रोड पर पेट्रोल पंप के समीप शुक्रवार देर रात करीब 11 बजे एक भीषण सडक़ हादसा हो गया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई जबकि लगभग दस लोग घायल हो गए। हादसा वोल्वो बस, ट्रक और ट्रैक्टर-ट्रॉली के बीच टक्कर होने से हुआ।दिल्ली से मनाली की ओर जा रही वोल्वो बस के आगे एक ट्रक और उसके आगे ट्रैक्टर-ट्रॉली चल रही थी। इसी दौरान बस ने पीछे से ट्रक को टक्कर मार दी। टक्कर लगते ही ट्रक का संतुलन बिगड़ गया और वह आगे चल रही ट्रैक्टर-ट्रॉली से जा टकराया। इस जोरदार भिड़ंत के कारण ट्रैक्टर-ट्रॉली अनियंत्रित होकर हाईवे और सर्विस रोड के बीच पलट गई तथा उसके कई हिस्से हो गए। हादसे के समय बस में टूरिस्ट यात्री सो रहे थे। अचानक जोरदार झटका लगने से बस में अफरा-तफरी मच गई। कई यात्रियों के सिर और मुंह पर चोटें आईं। बस में सवार करीब 6-7 यात्रियों को गंभीर चोटें आई हैं, जबकि अन्य को हल्की चोटें लगी हैं। हादसे में बस का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया, वहीं ट्रक और ट्रैक्टर-ट्रॉली को भी नुकसान पहुंचा है।

आंदोलन तेज करेंगे कर्मचारी मंत्रियों के आवास का होगा घेराव

- पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर्स यूनियन की बैठक में आंदोलन कार्यक्रम घोषित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

हरियाणा गवर्नमेंट पीडब्ल्यूडी मैकेनिकल वर्कर यूनियन की बैठक शनिवार को कर्ण गेट स्थित यूनियन कार्यालय में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला प्रधान रंगलाल संधू ने की तथा संचालन जिला सचिव रोहताश खोखर ने किया।

बैठक में राज्य संयुक्त सचिव अंकित राणा ने कर्मचारियों की लंबित मांगों और आगामी आंदोलन की रूपरेखा पर विस्तार से चर्चा की। उन्होंने बताया कि 16 और 17 जून को करनाल में नारेबाजी और रोष प्रदर्शन करते हुए सभी कार्यकारी अभियंताओं को ज्ञापन सौंपे जाएंगे। उन्होंने कहा कि इसके बाद 4 जुलाई को हिसार में सिंचाई एवं जल संसाधन मंत्री श्रुति चौधरी के आवास का घेराव किया जाएगा, जबकि 18 जुलाई को लोक निर्माण एवं जन स्वास्थ्य अभियांत्रिकी मंत्री रणबीर गंगवा के निवास पर प्रदर्शन किया जाएगा। अंकित राणा ने आरोप लगाया कि राज्य कमेटी कई बार संबंधित मंत्रियों से मुलाकात कर चुकी है, लेकिन कर्मचारियों की मांगों पर कोई ठोस निर्णय नहीं लिया गया। इसी कारण कर्मचारियों में रोष बढ़ रहा है। जिला प्रधान रंगलाल संधू ने सभी शाखाओं के कर्मचारियों से आंदोलन में बढ़-चढ़कर भाग लेने की अपील की। बैठक में राजपाल मौला, रामप्रसाद शर्मा, ललित शर्मा, सुनील कुमार, पवन शर्मा, भीम सिंह, बाबूराम, सुभाष चंद्र, अशोक भाटिया, सुरेश शर्मा, महावीर पोसवाल, लक्ष्मण नेगी, रमेश कुमार, कैलाश शर्मा, पवन रंगा, हुसन लाल, संदीप शर्मा आदि कर्मचारी नेता उपस्थित रहे।

करनाल। कर्ण गेट स्थित कार्यालय में आयोजित बैठक में आंदोलन की रणनीति पर चर्चा करते यूनियन पदाधिकारी।

शेखपुरा प्लांट में शुरू हुई लेगेसी वेस्ट की बायो-माइनिंग

करनाल। नगर निगम करनाल ने शहर को पुराने कचरे के बोझ से मुक्त कराने की दिशा में बड़ा कदम उठाते हुए शेखपुरा स्थित सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट प्लांट में लेगेसी वेस्ट के वैज्ञानिक निस्तारण और बायो-माइनिंग कार्य का शुभारंभ कर दिया है। विधायक जगमोहन आनंद और महापौर रेणु बाला गुप्ता ने संयुक्त रूप से परियोजना की शुरुआत की। इस अवसर पर वार्ड पार्षद, नगर निगम अधिकारी और संबंधित एजेंसी के प्रतिनिधि भी मौजूद रहे। कार्यक्रम के दौरान पौधारोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया गया। शेखपुरा प्लांट में वर्तमान में लगभग 1 लाख 83 हजार मीट्रिक टन लेगेसी वेस्ट जमा है। इस कचरे का वैज्ञानिक तरीके से निस्तारण कर प्लांट परिसर को पुराने कचरे से मुक्त किया जाएगा। पर्यावरण पर पड़ने वाले दुष्प्रभावों को भी कम किया जाएगा। यह कार्य छह माह में पूरा किया जाना है। हिसार की मैसर्स स्वास्तिक कैरियर कंपनी को इसका जिम्मा सौंपा गया है। एजेंसी ने चार माह में कार्य पूरा करने की योजना बनाई है।

योग ही स्वस्थ जीवन की सबसे बड़ी कुंजी : नवीन संदूजा

- अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के तहत बच्चों को कराया योगाभ्यास
- उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वालों को किया सम्मानित

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

12वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में 'हमारा मिशन स्वस्थ भारत' योगा टीम द्वारा विभिन्न शिक्षण संस्थानों में योग जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जा रहे हैं। इसी कड़ी में योग शिक्षक नवीन संदूजा के नेतृत्व में निर्मल पब्लिक स्कूल तथा खुशी इंस्टीट्यूट ऑफ डांस एंड एलाइड एक्टिविटीज में बच्चों को योगाभ्यास कराया गया और उन्हें नियमित योग के महत्व के बारे में जानकारी दी गई।

योगाभ्यास सत्र में प्रतिभागियों को कॉमन योग प्रोटोकॉल के अंतर्गत ताड़ासन, त्रिकोणासन, भुजंगासन, वज्रासन, शशांकासन और पवनमुक्तासन का अभ्यास कराया गया। इसके अलावा अनुलोम-विलोम, भ्रामरी तथा कपालभाति प्राणायाम भी करवाए गए। योग विशेषज्ञों ने योग के शारीरिक, मानसिक और आध्यात्मिक लाभों की विस्तार से जानकारी दी। बेहतर प्रदर्शन करने वाले बच्चों को योगाचार्य नवीन संदूजा ने गोल्ड मेडल देकर सम्मानित किया और उन्हें आगे भी योग के क्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया।

नवीन संदूजा ने बताया कि 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस मनाया जाएगा, जिसकी तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। उन्होंने कहा कि हर वर्ष की भांति इस बार भी 19, 20 और 21 जून को मानव सेवा संघ परिसर में भव्य स्तर पर योग दिवस कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे।

करनाल। विद्यार्थियों को योगाभ्यास कराते योगाचार्य नवीन संदूजा।

नाबालिग लड़की की शादी कराने का मामला उजागर

- बाल कल्याण समिति की जांच में गर्भवती मिलने पर केस दर्ज

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

करनाल में बाल विवाह का एक गंभीर मामला सामने आया है। बाल कल्याण समिति को मिली शिकायत के बाद की गई जांच में खुलासा हुआ कि एक नाबालिग लड़की की शादी करीब 30 वर्षीय युवक से कर दी गई थी। जांच में यह भी सामने आया कि वर्तमान में लड़की लगभग पांच माह की गर्भवती है। थाना शहर करनाल पुलिस ने बाल विवाह निषेध कानून के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह मामला 30 मार्च को दर्ज कराई गई शिकायत से जुड़ा हुआ है। शिकायत बाल कल्याण समिति के माध्यम से संरक्षण एवं बाल विवाह निषेध अधिकारी के पास पहुंची थी। इसके बाद मामले की विस्तृत जांच की गई और जांच रिपोर्ट तैयार कर पुलिस अधीक्षक करनाल को भेजी गई। रिपोर्ट के आधार पर 6 जून को थाना शहर करनाल में मुकदमा दर्ज किया गया। जांच में सामने आया कि सिरसा के गांव की रहने वाली लड़की की शादी 20 जनवरी 2026 को कैथल के एक गांव के युवक से कराई गई थी। वर्तमान में लड़की अपने पति के साथ करनाल की एक कॉलोनी में रह रही है। जांच अधिकारियों ने जांच की, जिसमें लड़की के नाबालिग होने की पुष्टि हुई।

कचरा प्रबंधन नियमों को लेकर पार्षदों की बैठक

- बड़े संस्थानों को परिसर में ही करना होगा गीले कचरे का निस्तारण : महापौर

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

शहर में ठोस कचरा प्रबंधन व्यवस्था को अधिक प्रभावी और वैज्ञानिक बनाने के उद्देश्य से नगर निगम कार्यालय में शुक्रवार को महापौर रेणु बाला गुप्ता की अध्यक्षता में पार्षदों की महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में ठोस अपशिष्ट प्रबंधन नियम-2026 के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान अतिरिक्त निगम आयुक्त अशोक कुमार, मुख्यमंत्री सुशासन सहयोगी श्रुति मिश्रा तथा स्वच्छ भारत मिशन-शहरी की टीम मौजूद रही।

बैठक में अधिकारियों ने सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल-2026 के विभिन्न प्रावधानों की जानकारी देते हुए बताया कि शहर में वैज्ञानिक एवं टिकाऊ कचरा प्रबंधन व्यवस्था स्थापित करने के लिए इन नियमों का सख्ती से पालन आवश्यक है। अधिकारियों ने स्रोत स्तर पर गीले और सूखे कचरे को अलग-अलग करने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि यदि प्रत्येक नागरिक अपने घर, दुकान और संस्थान में कचरे का पृथक्करण सुनिश्चित करेगा तो कचरा प्रबंधन की पूरी प्रक्रिया अधिक प्रभावी और पर्यावरण अनुकूल बन सकेगी। नगर निगम के जनप्रतिनिधि अपने-अपने वार्डों में घर-घर जाकर लोगों को कचरा पृथक्करण और स्वच्छता के प्रति जागरूक करेंगे। उन्होंने कहा कि जनभागीदारी के बिना स्वच्छता अभियान को सफल नहीं बनाया जा सकता। बताया गया कि नगर निगम क्षेत्र के प्रत्येक वार्ड में श्री-आर (रिड्यूस, रियूज और रिसाइकिल) सेंटर स्थापित किए जाएंगे।

न्यूज डायरी

मुख्य सड़कों के नवीनीकरण कार्य का शुभारंभ

इंद्री। विधायक एवं गवर्नमेंट चीफ व्हिप रामकुमार कश्यप ने करीब 5 करोड़ 22 लाख रुपये की लागत से चार सड़कों के नवीनीकरण कार्य का शुभारंभ किया। इनमें रम्बा से खेड़ी मान सिंह, खेड़ी मान सिंह से पधाना, अमरगढ़ अपोजिट सडक और गौरगढ़ से खेड़ी मान सिंह सडक शामिल हैं। इस अवसर पर ग्रामीणों को संबोधित करते हुए विधायक रामकुमार कश्यप ने कहा कि किसी भी क्षेत्र की तरक्की का रास्ता वहां की सड़कों से होकर गुजरता है। प्रदेश सरकार द्वारा खस्ताहाल सड़कों का कायाकल्प किया जा रहा है और ग्रामीण अंचल की सड़कों को मजबूत व चौड़ा बनाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गांव रंबा से खेड़ी मानसिंह और अन्य तीन मार्गों का नवीनीकरण होने से इस क्षेत्र की कनेक्टिविटी बेहद मजबूत हो जाएगी, जिससे स्थानीय व्यापार और रोजगार को भी बढ़ावा मिलेगा। सरकार का लक्ष्य न केवल नई सडकें बनाना है, बल्कि उनकी गुणवत्ता को भी उच्च स्तर का बनाए रखना है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार बिना किसी भेदभाव के हर हलके में समान रूप से विकास कार्य करवा रही है। आज गांवों की लिंक सड़कों से लेकर मुख्य जिला मार्गों को गड्ढा मुक्त और आधुनिक तकनीक से बनाया जा रहा है। इस अवसर पर गौरव, अशोक पाल, रामनाथ, नरेश, गुरबिंद्र, अजय बत्तरा, राजकुमार, त्रिलोक सिंह, कश्मीर सिंह व पवन आदि मौजूद रहे।

शिवाजी महाराज के आदर्शों पर चलने का संकल्प

करनाल। छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक दिवस के अवसर पर शनिवार को अखिल भारतीय मराठा जागृति मंच द्वारा झंझाड़ी स्थित मुख्यालय में कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस दौरान शिवाजी महाराज के चित्र पर तिलक कर पुष्प मालाएं अर्पित की गईं और उनके योगदान को याद करते हुए श्रद्धांजलि दी गई। मंच के संस्थापक मराठा वीरेंद्र वर्मा ने कहा कि छत्रपति शिवाजी महाराज ने विदेशी आक्रमणकारियों का डटकर मुकाबला किया और हिंदवी स्वराज की स्थापना कर राष्ट्र रक्षा का अनुपम उदाहरण प्रस्तुत किया। उन्होंने कहा कि शिवाजी महाराज का जीवन साहस, राष्ट्रभक्ति और स्वाभिमान की प्रेरणा देता है। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष मराठा राजेश कल्याण ने कहा कि शिवाजी महाराज केवल भारत ही नहीं बल्कि विश्व इतिहास के महान योद्धाओं में गिने जाते हैं। उनके आदर्श आज भी समाज को नई दिशा देने का कार्य कर रहे हैं। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने भाग लिया तथा शिवाजी महाराज के चित्र पर पुष्प अर्पित कर उन्हें नमन किया। इस अवसर पर राजेश कल्याण कुटेल, ऋषिपाल दादुपुर, हरजीत सिंह मराठा, रामकिशन आर्य, सूबेदार लाभ सिंह, मराठा बलजीत कल्याण और महेंद्र मराठा पबनावा सहित अन्य गणमान्य मौजूद रहे।

ट्यूबवेल ऑपरेटरों ने उठाई सेवा सुरक्षा की मांग

करनाल। पब्लिक हेल्थ ग्रामीण ट्यूबवेल ऑपरेटर्स आर्गेनाइजेशन का प्रदेश स्तरीय अधिवेशन शनिवार को मानव सेवा संघ सभागार में आयोजित किया गया। राष्ट्रीय कामगार संघ हरियाणा से संबद्ध इस संगठन के अधिवेशन की अध्यक्षता प्रदेश अध्यक्ष जसवीर सिंह ने की, जबकि मंच संचालन राष्ट्रीय कामगार संघ के महामंत्री जंग बहादुर यादव ने किया। अधिवेशन में ग्रामीण ट्यूबवेल ऑपरेटरों ने पंचायतों के अधीन कार्य करने को लेकर नाराजगी व्यक्त की। वक्ताओं ने कहा कि ऑपरेटर लंबे समय से सेवा सुरक्षा और स्पष्ट सेवा नियमों की मांग कर रहे हैं, लेकिन उनकी समस्याओं का समाधान नहीं किया जा रहा। जंग बहादुर यादव ने कहा कि ट्यूबवेल ऑपरेटरों के लिए सर्विस रूल बनाए जाने चाहिए तथा वर्ष 2000 से न्यूनतम वेतन के एरियर का भुगतान किया जाना चाहिए। अधिवेशन में पंचायत व्यवस्था के तहत होने वाले कथित शोषण का मुद्दा भी उठाया गया। वक्ताओं ने चेतावनी दी कि यदि सरकार ने जल्द मांगों पर सकारात्मक निर्णय नहीं लिया तो राज्यभर के ट्यूबवेल ऑपरेटर आंदोलन करने को मजबूर होंगे। अधिवेशन के दौरान संगठन की नई प्रदेश कार्यकारिणी का गठन भी किया गया। जसवीर सिंह को पुनः प्रदेश अध्यक्ष चुना गया। शिव दयाल और ललित को उपप्रधान, राधेश्याम को महासचिव, प्रदीप कुमार व रामवीर को सह सचिव, मदन लाल को कोषाध्यक्ष तथा यशपाल को सह कोषाध्यक्ष नियुक्त किया गया। इसके अलावा सुभाष चंद्र को संगठन मंत्री, रमेश चंद को कार्यालय सचिव और जंग बहादुर यादव को कानूनी सलाहकार बनाया गया।

डीसी ने दिए संवेदनशील क्षेत्रों में तैयारियां समय पर पूरी करने के निर्देश

मानसून से पूर्व यमुना तटबंधों-ड्रेनों का जायजा

- बोले, कटाव रोकने के कार्य में लापरवाही नहीं होगी बर्दाश्त

हरिभूमि न्यूज ▶▶| करनाल

मानसून सीजन के दौरान संभावित बाढ़ और जलभराव की स्थिति से निपटने के लिए जिला प्रशासन ने तैयारियां तेज कर दी हैं। इसी कड़ी में उपायुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने शनिवार को यमुना तटबंध क्षेत्रों और प्रमुख ड्रेनों का दौरा कर व्यवस्थाओं का निरीक्षण किया। उन्होंने गांव दिलावरा, कुंडाकलां, शेरगढ़ टापू तथा मैन मती ड्रेन का निरीक्षण कर अधिकारियों से प्रबंधों की जानकारी ली और आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों को निर्देश दिए कि मानसून से पहले सभी जरूरी कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर पूरा किया जाए। उन्होंने कहा कि यमुना के साथ लगते गांवों और कृषि भूमि को बाढ़ व कटाव से सुरक्षित रखना प्रशासन की सर्वोच्च प्राथमिकता है। इसके लिए किसी भी स्तर पर लापरवाही स्वीकार नहीं की जाएगी। उपायुक्त ने कहा कि जिन स्थानों पर तटबंधों को मजबूत करने के लिए स्टड लगाने का कार्य चल रहा है अथवा प्रस्तावित है, वहां कार्य में तेजी लाई जाए। उन्होंने स्पष्ट किया कि कार्य की गुणवत्ता से किसी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा और सभी निर्माण कार्य निर्धारित मानकों के अनुरूप ही पूरे किए जाएं। डॉ. आनंद कुमार शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि सभी संवेदनशील स्थानों पर लगातार निगरानी रखी जाए और आपात स्थिति से निपटने के लिए ड्रेनेज सिस्टम को पूरी तरह दुरुस्त रखा जाए। उन्होंने कहा कि मानसून के दौरान किसी भी प्रकार की समस्या उत्पन्न होने पर तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित की जाए ताकि जन-धन की हानि से बचा जा सके। इस अवसर पर एसडीएम देवेंद्र शर्मा, सिंचाई विभाग के अधीक्षण अभियंता संजय, कार्यकारी अभियंता मनोज तथा अन्य अधिकारी भी मौजूद रहे।

करनाल। यमुना तटबंध क्षेत्र का निरीक्षण कर अधिकारियों को दिशा-निर्देश देते उपायुक्त डॉ. आनंद कुमार शर्मा।

सीजेएम ने चलाया जागरूकता अभियान

करनाल। विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर करनाल में पर्यावरण संरक्षण को लेकर विभिन्न स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित किए गए। एक ओर महापौर रेणु बाला गुप्ता ने राम बाग में पौधारोपण कर हरित भविष्य का संदेश दिया, वहीं दूसरी ओर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से कुंजपुरा रोड मार्केट में जागरूकता शिविर लगाकर लोगों को पर्यावरण संरक्षण और प्लास्टिक मुक्त जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

नूर महल प्रांगण स्थित राम बाग में आयोजित कार्यक्रम में महापौर रेणु बाला गुप्ता ने पौधारोपण करते हुए कहा कि वृक्षारोपण केवल एक औपचारिकता नहीं, बल्कि आने वाली पीढ़ियों को स्वच्छ, सुरक्षित और स्वस्थ पर्यावरण देने का संकल्प है। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की जिम्मेदारी केवल सरकारों की नहीं, बल्कि प्रत्येक नागरिक की है।

खबर संक्षेप

चोरी की आरोपी महिला गिरफ्तार

पानीपत। थाना माडल टाउन पुलिस ने माडन टाउन में कपड़ो से शोरूम से महंगे सूट चोरी करने वाले गिरोह की महिला आरोपी रेनु निवासी मंगोलपुरी दिल्ली को गिरफ्तार किया है। थानेदार माडल टाउन जगमिंद्र ने बताया कि चोरी की उपरोक्त वारदात बारे थाना माडल टाउन में जींद के सफीदों निवासी उदय सिंह पुत्र दीपचंद की शिकायत पर केस दर्ज है। वहीं, आरोपी रेनु को कोर्ट में पेश कर एक दिन के रिमांड पर लिया है, ताकि रेनु की फरार तीन साथियों की जानकारी लेकर उन्हें भी गिरफ्तार किया जा सके।

पुलिस ने बेल जंपर को किया गिरफ्तार

पानीपत। जिला पुलिस पीओ, बेल जंपर व उद्घोषित अपराधियों की धरपकड़ के लिए विशेष अभियान चलाया हुए है। थाना शहर पुलिस ने माननीय न्यायालय से पीओ घोषित आरोपी आठ मरला निवासी जोनी को गिरफ्तार किया है। थानेदार देवेंद्र ने बताया कि जोनी, जेल से बेल पर आने के बाद निर्धारित तारिखों पर न्यायालय में उपस्थित नहीं हो रहा था। इसके चलते कोर्ट ने उसे सितंबर सन् 2022 में भगौडा घोषित किया था।

मारपीट के तीन आरोपी पुलिस ने किए गिरफ्तार

पानीपत। थाना चांदनी बाग पुलिस ने काम से घर लौट रहे युवक का रास्ता रोककर लाठी, डंडों से चोट मारने के तीन आरोपियों भारत नगर निवासी सर्वेश, काबुली बाग निवासी प्रिंस व मनमोहन नगर निवासी सागर को गिरफ्तार किया है। थानेदार संदीप ने बताया कि इस मामले में बबैल रोड शिव नगर निवासी सोनू पुत्र महेंद्र की शिकायत पर केस दर्ज है।

अदालत ने पांच आरोपी भगौड़े किए घोषित

पानीपत। पानीपत की विभिन्न जिला एवं सत्र अदालतों ने न्यायिक प्रक्रियाओं की अवहेलना करने और बार-बार समन व उद्घोषणा जारी होने के बावजूद कोर्ट में पेश न होने वाले विभिन्न चार केसों के आरोपियों नवाब, रोहित कुमार, अंशुल, मीनाक्षी व समीर को भगौडा घोषित किया है। वहीं, अदालतों ने संबंधित थाना प्रभारियों को आदेश दिए हैं कि कोर्ट आदेशों की नाफरमानी करने पर इन भगोड़ों के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस), 2023 के तहत नए केस दर्ज किए जाए।

नारी शक्ति ने किया योग का अभ्यास

पानीपत। अंसल सुशांत सिटी में योग क्लास में 21 जून हो होने वाले अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के प्रोटोकॉल का अभ्यास करवाया गया। योग शिक्षक सुभाष बजाज ने बताया कि योग करने से शरीर निरोगी होता है। इस अवसर पर ललिता झांब, प्रीति नारंग, सुनीता चुघ, कावेरी, अंजू चावला, सुधीर पुजारा, सरोज खर्ब, स्नेहा, कीर्ति बरेजा, सोनिया गोयल, मनदीप कौर, मीनू आनंद, श्रद्धा शर्मा, वंदना छाबड़ा, रीता, आशा गुप्ता, लता गुप्ता, कमलेश बंसल, अर्पणा, प्रमोद खुराना, तरुण गुगनानी, श्रीराम शर्मा व नर सिंह आदि ने योग किया।

कार की टक्कर से महिला की मौत

समालखा। जीटी रोड पर एलएनटी कॉलेज के सामने तेज रफ्तार ब्रेजा कार की टक्कर से बीएड परीक्षा देने जा रही 30 वर्षीय परमजीत निवासी कश्मीरी कॉलोनी, नजफगढ़ दिल्ली की मौके पर मौत हो गई। हादसे के समय वह अपने पति राकेश के साथ सडक़ पार कर रही थी। चालक कार सहित फरार हो गया। समालखा थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर शव का पोस्टमार्टम कराया और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर आरोपी चालक की तलाश शुरू कर दी है। मृतका दो बच्चियों की मां है।

अग्रवाल समाज पर टिप्पणी की निंदा

पानीपत। रोहतक में इनेलो के प्रदर्शन के दौरान इनेलो के जिला अध्यक्ष नफे सिंह द्वारा अग्रवाल समाज को लेकर की गई कथित आपत्तिजनक टिप्पणी की कड़ी निंदा की गई है। यह बयान राहुल बंसल द्वारा जारी किया गया। उन्होंने कहा कि किसी व्यक्ति या अधिकारी से विवाद को पूरे समाज से जोडऩा अनुचित है।

केंद्र और प्रदेश सरकार हर वर्ग के साथ कंधे से कंधा मिलाकर खड़ी

अग्रवाल समाज ने भाजपा प्रदेशाध्यक्ष डा. अर्चना गुप्ता का किया अभिनंदन

समारोह में अग्रवाल समाज के अलावा अन्य समाज के लोग भी उपस्थिति रहे

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत। भाजपा की नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष डा .अर्चना गुप्ता का स्वागत करते पार्टी के पदाधिकारी। फोटो : हरिभूमि

पानीपत। भाजपा की नवनियुक्त प्रदेशाध्यक्ष डा .अर्चना गुप्ता का स्वागत करते वेद पाराशर आदि। फोटो : हरिभूमि

अग्रवाल समाज द्वारा हुडा सेक्टर 12 स्थित एसडी विद्या मंदिर में हरियाणा प्रदेश भाजपा की नवनियुक्त प्रदेश अध्यक्ष डा.अर्चना गुप्ता का नागरिक अभिनंदन समारोह आयोजित किया गया। समारोह में अग्रवाल समाज के अलावा अन्य समाज के लोगों की उपस्थिति भी उल्लेखनीय रही। समारोह में हरियाणा के पंचायत एवं विकास मंत्री कृष्ण लाल पंवार, विधायक प्रमोद विज, शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा के बड़े भाई हरपाल ढांडा, नगर निगम की मेयर कोमल सैनी, जिला परिषद की अध्यक्षा ज्योति शर्मा, पूर्व मेयर अवनीत कौर, राज्यसभा सांसद संजय भाटिया के पुत्र चांद भाटिया, आरएसएस के गो सेवा प्रभारी महेंद्र कंसल, राजेश गोयल, जिला संघ चालक अनूप गोयल, एसडी एजुकेशन सोसाइटी के सतीश चंद्र, दिनेश गोयल, पवन गर्ग, हरिओम तायल, नरेश सिंगला नांदे वाले, राधेश्याम गुप्ता, ईश्वर अग्रवाल, इंडस्ट्रीयल एस्टेट एसोसिएशन के प्रधान श्री भगवान अग्रवाल, शिवकुमार मित्तल एडवोकेट, सुरेश काबरा, विमल बंसल, प्रहलाद बंसल, विजय जैन, जगदीश जैन,भाजपा मंडल अध्यक्ष चेतन तनेजा,अनिल बंसल,आदर्श गुप्ता,पार्षद नवल जिंदल,आर्य कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ.जगदीश गुप्ता, विकास गोयल, सुरेंद्र मितल, संदीप जिंदल एडवोकेट, ईश्वर गोयल, गौरव गोयल, वेद मितल, डा.जीसी गुप्ता, महेंद्र गोयल, दीपक तायल, मनोज सिंगला, आशु गुप्ता, तुलसी सिंगला आदि मौजूद रहे। वहीं मंच पर डा. अर्चना गुप्ता के पति डा.अनिल गुप्ता, पिता पुरुषोत्तम दास गुप्ता, माता व भाई मौजूद रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ महाराजा अग्रसेन की प्रतिमा के समक्ष दीप प्रज्वलित कर किया गया। वहीं अग्रवाल समाज ने एक बड़ी माला द्वारा डा.अर्चना गुप्ता का अभिनंदन किया। वहीं सिख समाज के ओर से पूर्व मेयर भूपेंद्र सिंह व एचएस धम्मू की टीम द्वारा सरौपा व तलवार भेंट कर सम्मान किया गया।

प्रदेशाध्यक्ष ने बेटियों की शिक्षा पर दिया जोर

डा.अर्चना गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पानीपत की ऐतिहासिक धरती से बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ का संदेश पूरे देश को दिया था अगर हम अपनी बेटियों को पढ़ा लिखा कर उनके सपनों को उड़ान दें तो वह उम्मीद से भी ज्यादा करके दिखाने की क्षमता रखती हैं। उन्होंने जहां भाजपा के शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया, वहीं अपने माता पिता एवं परिवार को भी इस बात का श्रेय दिया कि आगे बढ़ाने में उनका बहुत बड़ा योगदान रहा है। उसी की वजह से आज वह इस पद तक पहुंची हैं। उन्होंने अग्रवाल समाज के साथ सर्व समाज का भी आभार जताया कि जो सम्मान उन्हें दिया गया है उसे वह बरकरार रखेंगी और उनकी उम्मीदों पर खरा उतरेंगी। मंच संचालन एसडी पीजी कॉलेज के प्राचार्य डा.अनुपम अरोड़ा ने किया।

खबर संक्षेप

पीसीसी एकेडमी में अंग्रेजी व स्किल पर सेमिनार

पानीपत। पीसीसी एकेडमी में विदेश शिक्षा और अंग्रेजी भाषा के महत्व पर सेमिनार आयोजित किया गया। मुख्य अतिथि अनीशा मक्कड़ चेयरपर्सन ओजवर्ल्ड एकेडमी का शिल्पा परुथी ने स्वागत किया। शिल्पा परुथी ने कहा कि विदेश से शिक्षा लेकर भारत लौटकर देश की सेवा और रोजगार सृजन करें। राजीव परुथी ने कहा कि अंग्रेजी और स्किल्स के बिना विदेश में अच्छी नौकरी मिलना मुश्किल है। युवाओं को फर्जी एजेंटों से सावधान रहने और पूरी तैयारी के साथ विदेश जाने की सलाह दी। छात्रों ने सेमिनार को उपयोगी बताते हुए आयोजकों का आभार जताया। इस अवसर पर सुचेता, उषा, नव्या, रितु, गौरांशी, गरिमा, दीपिका व तान्या आदि मौजूद रहे।

फ्लाइंग क्लब ट्रस्ट ने नैनो जंगल में 1500 पौधे रोपे

पानीपत। फ्लाइंग क्लब ट्रस्ट द्वारा ग्रीन पानीपत मिशन को लेकर विश्व पर्यावरण दिवस पर सेक्टर 13-17 स्थित नैनो जंगल का निर्माण किया गया। जिसमें 1500 पौधे रोपे गए। कार्यक्रम में हरियाणा के शिक्षा मंत्री महीपाल ढांडा के बड़े भाई हरपाल ढांडा मुख्य अतिथि रहे। वहीं नगर निगम की महापौर कोमल सैनी, पूर्व महापौर अवनीत कौर, पूर्व पार्षद लोकेश नांगरू, संदीप जिंदल एडवोकेट, फ्लाइंग क्लब ट्रस्ट के अध्यक्ष नितिन अरोड़ा, विकास गुलाटी, लक्की अरोड़ा, उमन पाल सिंह प्रमुख रूप से मौजूद रहे। कार्यक्रम में उपस्थित सभी जनों ने पर्यावरण सुरक्षा का संकल्प लेते अधिक से अधिक पौधे लगाने की शपथ ली।

बाल संस्कार चेतना शिविर में बच्चों को बताया राष्ट्र का गौरव

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत। बाल संस्कार चेतना शिविर में शिरकत करते अतिथि।

श्री राम सेवा दल नूरवाला द्वारा श्रीराम धर्मशाला में तृतीय निःशुल्क बाल संस्कार चेतना शिविर अभिनन्दन समारोह के शनिवार को छठे दिन मुख्य अतिथि आदित्य भारद्वाज एवं अनिता तायल रहे। वहीं विशिष्ठ अतिथि श्री राम दशहरा कमेटी के प्रधान भीम सचदेवा रहे। अनिता तायल ने कहा कि श्री राम सेवा दल का शिविर लगाने का कार्य बहुत ही सराहनीय है। जिसकी खास बात यह है कि भाग लेने वाले बच्चे उत्साहित हैं। ज्ञान लेने के लिए रूचि का होना जरूरी है। शिविर में बच्चे एक परिवार की तरह खुशी के साथ भाग ले रहे हैं। शिविर के चेयरमैन भूषण मदान, श्री राम सेवा दल के प्रधान हरबंस आनंद, यूथ विंग के प्रधान बंटी पुनानी व महिला विंग की प्रधान पायल वधवा ने अतिथियों को पटका पहनाकर एवं स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया। इस अवसर पर तिलक राज छोकरा, राम स्वरूप चावला, गौरव छोकरा, पूर्व सरपंच सुंदर लाल वधवा, पूर्ण ईश पुनानी, अविनाश पुनानी, प्रिंस सोनी, गुलशन आनंद, प्रिंस मोंगिया, मनोज चुघ, राजन छौक्करा, काजल आंनद, शालू वधवा, शशि, प्रीती, वीना, स्वाष्तिक, शिखा, अंकिता, रितू, गीतांजली आनंद, हिमानी खुराना, प्रीति वधवा, दामिनी दूमड़ा, शिल्पा नागपाल, बिंदिया, गीतू सचदेवा व डिंपल आंनद आदि मौजूद रहे।

कांग्रेसियों ने जुलूस निकाल प्रदर्शन किया

पानीपत। नीट पेपर लीक मामले में युवा कांग्रेस ने मशाल जलूस निकाल कर विरोध प्रदर्शन कर केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान के इस्तीफे की मांग की। यूथ कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष उदय भानु चिब, हरियाणा प्रदेश अध्यक्ष निशांत कटारिया, प्रभारी सत्यवान गहलोत, आयोजक हरियाणा प्रदेश युवा कांग्रेस के उपाध्यक्ष एवं पानीपत जिला प्रभारी सौमिल संधू, विपुल शाह, पानीपत शहरी कांग्रेस जिलाध्यक्ष स.बलजीत सिंह, कांग्रेस नेता रघबीर संधू, संजय छौक्कर, ओमबीर पंवार, नरेंद्र भिवान, सुरेश बवेजा, सुरेंद्र खर्ब एडवोकेट आदि ने भाजपा सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए स्काईलार्क से हाथों में मशाल लेकर लालबत्ती चौक तक जीटी रोड पर प्रदर्शन कर पेपरों के बार -बार पेपर लीक होने पर सरकार पर खासकर शिक्षा मंत्री धमेंद्र प्रधान पर सवाल उठाएं।

केवाईसी अपडेट की आड़ में हो रही बड़े स्तर पर साइबर ठगी : एसपी

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत पुलिस ने साइबर अपराध पर अंकुश लगाने व आमजन को साइबर अपराध के विरूध जागरूक करने के उद्देश्य से एक महत्वपूर्ण एडवाइजरी जारी करते हुए नागरिकों से अनुरोध किया है कि वे केवाईसी अपडेट करने के नाम पर हो रही साइबर ठगी से सावधान रहें। साइबर ठग अपराध करने के नए नए तरिके अपनाकर लोगों के साथ ठगी की वारदातों को अंजाम दे रहे है। साइबर ठग अब केवाईसी अपडेट के नाम पर लोगों को ठगी का शिकार बना रहे है। पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह ने कहा कि साइबर ठग स्वयं को बैंक अधिकारी के रूप में प्रस्तुत करते है और फर्जी एसएमएस, कॉल या ई मेल कर यह कहते है कि यदि आपने अभी केवाईसी अपडेट नहीं कराया तो आपका खाता ब्लाक हो जाएगा। साइबर ठग केवाईसी अपडेट के बहाने लोगों से बैंक, यूपीआई और वॉलेट खातों की संवेदनशील जानकारी लेते है। फिर आगे की प्रक्रिया के बहाने ओटीपी नंबर लेकर बैंक खाते से रूपए निकाल लेते है। नागरिकों को ठगी का तब पता चलता है, जब उन्हें निकासी का मैसेज आता है। उन्होंने कहा कि ऐसे कॉल या मैसेज आने पर शांत रहें, कोई जानकारी सांझा न करें। बैंक में जाकर ही केवाईसी कराए। बैंक डिटेल्स, पासवर्ड, ओटीपी या पिन किसी से भी सांझा न करें। किसी भी संदिग्ध लिंक पर क्लिक न करें। वहीं ठगी का शिकार हो जाने पर राष्ट्रीय साइबर अपराध हेल्पलाइन 1930 पर कॉल करें। वेबसाइट पर ऑनलाइन शिकायत दर्ज करें। नजदीकी पुलिस स्टेशन या साइबर क्राइम थाना में रिपोर्ट दर्ज कराएं। कप्तान सिंह ने कहा कि कोई भी बैंक या अधिकृत संस्था ओटीपी, पासवर्ड, या यूपीआई पिन नहीं मांगती। खाते से संबंधित कोई भी जानकारी बैंक जाकर प्राप्त करें। उन्होंने नागरिकों से अपील की है कि साइबर ठगी से बचने के लिए सतर्क और जागरूक रहें। आपकी सावधानी ही आपकी सुरक्षा है।

पुलिस कप्तान भूपेंद्र सिंह।

■ संदिग्ध कॉल या मैसेज पर विश्वास न करें, बैंकिंग जानकारी भी सांझा ना करें

एलिमेंट्री मैथमेटिक्स पर वर्कशाप

पानीपत। डीएवी पुलिस पब्लिक स्कूल में शिक्षकों के लिए सीबीएसई द्वारा आयोजित 'एलिमेंट्री मैथमेटिक्स' विषयक दो दिवसीय कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। कार्यशाला का उद्देश्य गणित शिक्षण को अधिक रोचक, प्रभावी एवं विद्यार्थियों के लिए आनंददायक बनाना था। कार्यशाला का संचालन सीबीएसई के संसाधन व्यक्तियों हेमंत व मीना ने किया। उन्होंने विभिन्न गतिविधियों, खेल-आधारित शिक्षण विधियों तथा नवीन शिक्षण तकनीकों के माध्यम से गणित को सरल एवं रुचिकर बनाने के उपाय साझा किए। उन्होंने बताया कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के अनुरूप शिक्षण प्रक्रिया में रचनात्मकता, सहभागिता तथा अनुभवात्मक अधिगम को बढ़ावा देना आवश्यक है।

आईबी कालेज में योग शिविर में किया अभ्यास

पानीपत। आईबी स्नातकोत्तर महाविद्यालय के योग क्लब द्वारा यूथ रेड क्रॉस एनएसएसए एनसीसी एवं संस्कृत विभाग के सहयोग से अंतर्राष्ट्रीय योग दिवस के उपलक्ष्य में दो दिवसीय योग कार्यशाला का आयोजन कॉलेज के योग कक्ष में किया गया। इस अवसर पर प्राचार्य डॉ. सतवीर सिंह, अंग्रेजी विभागाध्यक्षा डॉ.नीलम, राधेश्याम प्रो.सुखजिंदर रेखा शर्मा आदि उपस्थित रहे।

दान से मिलता है जीवन का श्रेष्ठ पुण्य : शास्त्री

पानीपत। श्री सनातन धर्म मंदिर मॉडल टाउन में चल रही पुरुषोत्तम मास मलमास कथा में वाचक पंडित बृजकिशोर शास्त्री ने कहा कि दान व दया इंसान को अपनी आदत में शामिल करना चाहिए। जो नागरिक दान व दयालु होता है उस पर भगवान का आशीर्वाद हमेशा बना रहता है। इस अवसर पर बडी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित रहे। सभी ने भजनों का आनंद लिया।

मन के हर विकार को दूर करने में सहायक है योग : नीलिमा

■ आयुष विभाग के विशेषज्ञों ने कारागार में कैदियों को योगाभ्यास करवाया

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत। जेल में योग करते हुए कैदी। फोटो : हरिभूमि

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के तहत चल रहे काउंटडाउन कार्यक्रमों की श्रृंखला में शनिवार को आयुष विभाग द्वारा जिला कारागार में अंतरराष्ट्रीय योग दिवस प्रोटोकॉल प्रशिक्षण आयोजित किया गया। कार्यक्रम में करीब 80 कैदियों ने भाग लिया। मुख्य अतिथि जेल विभाग के उपाधीक्षक प्रिंस चौधरी ने योग को नियमित जीवनशैली का हिस्सा बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि योग स्वस्थ और ऊर्जावान जीवन का आधार है। योग विशेषज्ञ नीलिमा ने कहा कि योग और ज्ञान का अभ्यास युवाओं में सकारात्मक ऊर्जा का संचार करता है तथा उन्हें नशे जैसी बुराइयों से दूर रहने की प्रेरणा देता है। उन्होंने बताया कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस की तैयारियों के तहत पानीपत में विभिन्न सामाजिक संस्थाओं के सहयोग से लगातार योग प्रोटोकॉल प्रशिक्षण शिविर आयोजित किए जा रहे हैं।

जुआ खेलते 19 पकड़े थे रिश्वत लेकर 15 छोड़े

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पुलिस की एंटी नारकोटिक सेल पर गंभीर आरोप, चार पर केस दर्ज कर नग्न कर पीटा, मुखबिर को मारपीट का वीडियो काल कर दिखा, कांस्टेबल लाइन हाजिर, एसपी के आदेश पर विभागीय जांच शुरू पानीपत। पानीपत पुलिस की एंटी नारकोटिक सेल (एएनसी) पर आरोप लगे है कि एएनसी ने सनौली रोड स्थित होटल से जुआ खेलते हुए चार नहीं बल्कि 19 युवकों को हिरासत में लिया था। इनमें से 15 युवकों को कथित तौर पर रिश्वत लेने के बाद छोड़ दिया गया। इस मामले के शिकायकर्ता युवक सोनू कोहली का आरोप है कि जिन चार आरोपियों का पुलिस ने चालान किया उन्हें एएनसी के समालखा अनाज मंडी स्थित थाने में निर्वस्त्र कर पीटा गया और इस मामले की मुखबरी करने वाले को पुलिसकर्मियों ने वीडियो कॉल कर आरोपियों के साथ मारपीट होती दिखाई। इधर, इस मामले की शिकायत मिलने पर पुलिस अधीक्षक भूपेंद्र सिंह ने एएनसी में तैनात कांस्टेबल सुनील को तत्काल प्रभाव से लाइनहाजिर कर दिया है और इस मामले की विभागीय जांच के आदेश दिए हैं। जुआ खेलने के इस मामले में चार युवकों पर चांदनी बाग थाने में केस दर्ज है। कोहली का आरोप है कि एएनसी ने उन पर शिकायत वापस लेने व समझौता करने का दबाव बनाया जा रहा है है।

सीएम ने विश्वविद्यालय में 9 करोड़ के सभागार का लोकार्पण किया था

आयुष विवि के विकास को मिली नई दिशा

■ सीएम का आगमन विवि परिवार के लिए ऊर्जा और प्रेरणा का स्रोत बना : प्रो. वैद्य करतार सिंह धीमान

हरिभूमि न्यूज ▶▶| कुरुक्षेत्र

कुरुक्षेत्र। अधिकारियों से बातचीत करते श्रीकृष्ण आयुष विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. वैद्य करतार सिंह धीमान। फोटो : हरिभूमि

मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी के श्री कृष्ण आयुष विश्वविद्यालय आगमन पर कुलपति प्रो. वैद्य करतार सिंह धीमान ने उनका हृदय से आभार व्यक्त किया। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की उपस्थिति से विश्वविद्यालय परिवार को नई ऊर्जा और प्रेरणा मिली है। मुख्यमंत्री ने विश्वविद्यालय में लगभग 9 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित परीक्षा एवं बहुउद्देशीय सभागार का लोकार्पण किया तथा करीब 8 करोड़ रुपये की लागत से बनने वाले महिला छात्रावास का शिलान्यास किया। कुलपति ने कहा कि कुलगीत विश्वविद्यालय की गौरवशाली परंपराओं, मूल्यों और उद्देश्यों का प्रतीक है। यह विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों में संस्थान के प्रति आत्मीयता, समर्पण और गौरव की भावना को और सुदृढ़ करेगा। कुलपति ने कहा कि मुख्यमंत्री ने एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत पौधरोपण कर पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया है। आयुष विवि मुख्यमंत्री के आह्वान पर इस अभियान को जन-आंदोलन बनाने में सक्रिय भूमिका निभाएगा।

ग्रीनमैन प्रो.दलजीत ने अपने पुत्र के जन्मदिन पर 101 पौधे रोपे

हर्बल बॉटनिकल गार्डन में कपूर, केदार, स्टीविया और मिंट तुलसियों के 101 पौधों का किया रोपण

हरिभूमि न्यूज ▶▶| पानीपत

पानीपत। ग्रीनमैन प्रो.दलजीत अपने पुत्र प्रभाश के साथ पौधे रोपते हुए।

देशबंधु गुप्ता राजकीय महाविद्यालय में इतिहास विभाग में कार्यरत ग्रीनमैन सहायक प्रोफेसर दलजीत कुमार ने अपने बेटे प्रभास सिंह के तीसरे जन्मदिन के अवसर पर देशबंधु गुप्ता राजकीय महाविद्यालय के हर्बल बॉटनिकल गार्डन में कपूर, केदार, स्टीविया और मिंट तुलसियों के 101 पौधों के साथ, लेमनग्रास, छुईमुई, अजवाइन के औषधीय गुणों के व काला शहतूत, अमरूद, नींबू के फलदार पौधे लगाकर प्रकृति बचाओ पर्यावरण बढाने का संदेश दिया। कार्यक्रम के दौरान प्रो. दलजीत कुमार ने अपनी पत्नी मनजीत कौर, बेटी जैसमीन कौर और बेटे प्रभास सिंह के साथ मिलकर हर्बल बॉटनिकल गार्डन में छह प्रकार की 101 तुलसी रोपित करके तुलसी वाटिका का शुभारंभ किया। इस अभियान में इको क्लब के जागरूक पर्यावरण प्रहरी बच्चों निशा कुमारी गुप्ता, मोहित, समीर, धर्मेंद्र, कबीर, सचिन, सिया तथा अमित माली, राकेश पब्लिक हेल्थ विभाग ने विशेष सहयोग दिया। ग्रीनमैन दलजीत ने कहा कि विशेष अवसरों को यादगार बनाने के लिए पौधारोपण सबसे श्रेष्ठ माध्यम है। वहीं, प्रकृति बचाओ-सम्मान पाओ अभियान के तहत प्रभास सिंह को पगड़ी पहनाकर पौधारोपण करवाया गया ताकि बचपन से ही पर्यावरण संरक्षण के प्रति जागरूकता विकसित हो सके।

खबर संक्षेप

सीढ़ी से गिरने से बिजली मैकेनिक की मौत

अंबाला। सुंदर नगर में दोपहर के समय बिजली का काम करते समय सीढ़ी से गिरने पर व्यक्ति हरीश की मौत हो गई। परिजन खून से लथपथ हालत में शव लेकर अंबाला कैंट के नागरिक अस्पताल पहुंचे थे। डॉक्टर ने मृत घोषित करने के बाद पुलिस को सूचित कर दिया। शव का पोस्टमार्टम करवाया जाएगा। पड़ाव थाना प्रभारी देवेंद्र का कहना है कि प्राथमिक दृष्टि में मौत का कारण सीढ़ी से गिरना सामने आ रहा है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही कारणों का पता चल पाएगा।

कंपनी सुपरवाइजर की संदिग्ध मौत, केस दर्ज

अंबाला। तेपला स्थित एक निजी कंपनी में काम कर रहे यमुनानगर के परविंद्र की दूसरी मंजिल से गिरने पर मौत हो गई। हालांकि परिजनों ने किसी अनहोनी होने की आशंका जताई है। पुलिस ने मामले की जांच होने तक शव को अंबाला कैंट के नागरिक अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है। साहा थाना प्रभारी कर्मबीर ने बताया कि परिजनों की तरफ से अभी लिखित में कोई शिकायत नहीं आई है। परिजन जो सवाल उठा रहे हैं उनकी हर एंगल से जांच की जा रही है। कर्मचारी परिविंद्र के खुद ही अनियंत्रित होकर गिरने की बात कह रहे हैं। हालांकि परिजन किसी अनहोनी होने की आशंका जता रहे हैं। पोस्टमार्टम रिपोर्ट के बाद ही मौत के असल कारणों का पता चल जाएगा।

ऑनलाइन टास्क धोखाधड़ी में चौथा आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। साइबर क्राइम पुलिस को एक और बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने इस मामले में तत्परता से कार्रवाई करते हुए उत्तर प्रदेश के लखनऊ से चौथे मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। गिरफ्तार आरोपी की पहचान मोहम्मद समीम नवासी लखनऊ (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है, अदालत ने आरोपी को न्यायिक हिरासत (जेल) भेज दिया गया है। अंबाला शहर के दुर्गा नगर वासी रविकांत ने 28 जनवरी 2026 को थाना साइबर क्राइम में धोखाधड़ी करने वालों के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई थी। शिकायत के अनुसार दिनांक 30 दिसंबर 2025 से 14 जनवरी 2026 के बीच आरोपियों ने उन्हें ऑनलाइन टास्क पूरा करने और घर बैठे लाखों रुपये कमाने का झांसा दिया। जाल में फंसाकर आरोपियों ने शिकायतकर्ता से लगभग 17 लाख रुपये की बड़ी रकम ठग ली थी।

बरसात में जनता परेशान हुई तो अधिकारियों को भी होगी दिक्कत : विज

बाढ़ नियंत्रण तैयारियों को लेकर मंत्री ने अफसरों को ग्राउंड पर दिखाया आईना

कहा, कुंभकरण भी 6 महीने में जाग जाता था, तुम सालभर बाद जागते हो... अधिकारियों पर बरसे, हर साल बरसात से होती है भारी परेशानी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

अंबाला। अधिकारियों की मीटिंग लेते मंत्री अनिल विज। फोटो : हरिभूमि

परिवहन एवं श्रम मंत्री अनिल विज ने अंबाला छावनी पीडब्ल्यूडी रेस्ट हाउस में बाढ़ नियंत्रण और जल निकासी व्यवस्थाओं को लेकर अधिकारियों की कड़ी क्लास लगाई। बैठक में नगर परिषद, सिंचाई विभाग, रेलवे, कैंटोनमेंट बोर्ड, नेशनल हाईवे ऑथोरिटी समेत कई विभागों के अधिकारियों से एक-एक बिंदु पर जवाब तलब किया। उनके सवालों पर तो कई अधिकारी बगले झांकते नजर आए। विज ने बरसात से पहले टांगरी नदी, नालों की सफाई, ड्रेनों के निर्माण, पानी निकासी और बाढ़ नियंत्रण कार्यों में देरी पर नाराजगी जताते हुए कहा कि जिम्मेदार विभाग समय पर नहीं जागे। उन्होंने तलख अंदाज में कहा, "कुंभकरण भी छह महीने बाद नींद से जाग जाता था, लेकिन यहां कुछ विभाग तो एक साल बाद जागते हैं।" इस दौरान डीसी अजय तोमर, सीईओ कैंटोनमेंट बोर्ड राहुल आनंद शर्मा, सिंचाई विभाग से एसई मनीष भारद्वाज, पीडब्ल्यूडी से एसई भूपेंद्र सिंह, नप ईओ देवेंद्र नरवाल, जीएम रोडवेज अश्विनी डोगरा, जनस्वास्थ्य विभाग से एक्सईएन हरभजन सिंह सहित नेशनल हाईवे, रेलवे सहित कई विभागों के अधिकारी मौजूद रहे।

अफसरों से पूछा अब तक सफाई क्यों नहीं?

मंत्री ने गुडगुडिया नाले की सफाई के लिए जिम्मेदार नगर परिषद, कैंटोनमेंट बोर्ड और रेलवे अधिकारियों से कड़े सवाल पूछे गए। उन्होंने पूछा कि बरसात सिर पर है, फिर भी व्यापक स्तर पर सफाई कार्य क्यों शुरू नहीं हुआ। उन्होंने चेतावनी दी कि कागजों में नहीं, जमीन पर काम दिखाई देना चाहिए। उन्होंने अधिकारियों को आईना दिखाते हुए कहा कि बाढ़ नियंत्रण कार्यों के लिए जिम्मेदार अफसरों को वह स्वयं विभिन्न स्थलों पर ले जाकर बताएंगे कि वास्तविक स्थिति क्या है? कितना काम अभी बाकी है। बैठक के बाद उन्होंने कई बिंदुओं पर ग्राउंड रियलिटी का भी जायजा लिया।

अधूरे कामों पर जताई नाराजगी

मंत्री अनिल विज ने सिंचाई विभाग के अधिकारियों से चंद्रपुरी से मच्छौंडा तक ड्रेन से टांगरी नदी में पानी निकासी के लिए डाली गई भूमिगत पाइपलाइन पर आपत्ति जताई और कहा कि पूर्व में भी इस पानी लाइन को लिफ्ट कर नदी में पानी छोड़ने के लिए कहा गया था जोकि अब तक पूरा नहीं हुआ है। उन्होंने महेशनगर ड्रेन के अधूरे कार्यों पर अधिकारियों से जवाब मांगा। उन्होंने कहा ड्रेन का निर्माण पूर्व में आईआईटी रूड़की द्वारा डिजाइन किया गया था आगे भी ड्रेन उसी डिजाइन के हिसाब से बनाई जाए। उन्होंने टांगरी नदी के संकरे होते बहाव क्षेत्र पर भी उन्होंने आपत्ति जताते हुए कहा कि पीछे से चौड़ी नदी शहर में आते-आते छोटी हो जाती है, जिससे जल प्रवाह प्रभावित होता है और बाढ़ का खतरा बढ़ता है। विज ने अधिकारियों को याद दिलाया कि पिछले वर्ष इंडस्ट्रियल एरिया की दीवार तोड़े जाने से पानी अंदर घुस गया था। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि इस बार ऐसी स्थिति न बने और जरूरत पड़े तो पुलिस सुरक्षा भी लगाई जाए। साथ ही चारदीवारी निर्माण कार्य में तेजी लाने के आदेश दिए।

नेशनल हाईवे अधिकारियों से भी मांगा जवाब

जगाधरी रोड क्षेत्र में पानी निकासी को लेकर मंत्री विज ने एनएचएआई अधिकारियों से सवाल किए। उन्होंने कहा कि टांगरी और बेगना नदी के बीच पानी का बहाव बाधित होता है और भारी बारिश में समस्या पैदा होती है। अधिकारियों ने स्वीकार किया कि व्यवस्था में सुधार की जरूरत है और बरसात से पहले कार्य पूरा करने का भरोसा दिया। बैठक के दौरान मंत्री ने दिल्ली के एक होटल में आग लगने से हुई जनहानि का उदाहरण देते हुए कहा कि कई बार ऐसी घटनाओं के लिए जिम्मेदार विभागों की लापरवाही भी जिम्मेदार होती है। उन्होंने कहा कि अंबाला में भी बाढ़ नियंत्रण को लेकर किसी तरह की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने कहा जिम्मेदारी अधिकारी अपने कार्यों को गंभीरता से करें ताकि समय रहते कार्य हो और जनता को नुकसान से बचाया जा सके। विज ने छावनी बाजारों में स्वच्छता बनाए रखने, गीले और सूखे कूड़े को अलग-अलग डस्टबिन में डालने तथा सफाई व्यवस्था मजबूत करने के निर्देश दिए। उन्होंने रेलवे रोड व एसडीएम कार्यालय के आसपास अवैध पार्किंग के खिलाफ अभियान चलाने व इलाके में सफाई व्यवस्था को बेहतर करने को कहा ताकि बरसातों के समय पानी निकासी सुचारू रूप से होती रहे।

महिला से लूट के मामले में जेल में रची थी साजिश

हरिभूमि न्यूज ▶▶ बराड़ा

बराड़ा। पुलिस की गिरफ्त में आरोपी।

यहां की करनाल कॉलोनी में बुजुर्ग महिला से दिनदहाड़े हुई लूट के मामले में पुलिस जांच के दौरान कई अहम खुलासे हुए हैं। मुठभेड़ के बाद गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों को अदालत ने तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया है। पुलिस अब इस वारदात के मुख्य साजिशकर्ता दलीप उर्फ विक्की की तलाश में लगातार छापेमारी कर रही है, जो अभी भी फरार है। बुधवार देर रात सीआईए नारायणगढ़ की टीम ने बराड़ा फ्लाईओवर के नीचे हुई मुठभेड़ के बाद वारदात में शामिल दो आरोपियों को गिरफ्तार किया था। मुठभेड़ के दौरान दोनों आरोपियों के पैरों में गोली लगी थी। अस्पताल से उपचार के बाद छुट्टी मिलने पर उन्हें अदालत में पेश किया गया जहां से तीन दिन के पुलिस रिमांड पर भेज दिया गया। 26 मई को करनाल कॉलोनी में घर में अकेली मौजूद बुजुर्ग महिला विद्या देवी को तीन बदमाशों ने निशाना बनाया था। आरोपियों ने घर में घुसकर उनसे सोने के जेवर लूट लिए थे। विरोध करने पर बदमाशों ने पिस्तौल की बट से हमला कर उन्हें घायल भी कर दिया था। दिनदहाड़े हुई इस वारदात से क्षेत्र में दहशत का माहौल बन गया था। पुलिस द्वारा गिरफ्तार आरोपियों की पहचान उधम पुत्र सुरेश कुमार निवासी मुरादाबाद तथा ऋतिक पुत्र राजेश कुमार निवासी सहारनपुर (उत्तर प्रदेश) के रूप में हुई है। पूछताछ के दौरान दोनों ने खुलासा किया कि इस लूटकांड की पूरी साजिश दलीप उर्फ विक्की ने रची थी। थाना प्रभारी सुरेंद्र सिंह ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी पहले भी कई आपराधिक मामलों में संलिप्त रहे हैं। ऋतिक के खिलाफ उत्तर प्रदेश में मारपीट सहित तीन मामले दर्ज हैं जबकि उधम के खिलाफ भी एक आपराधिक मामला दर्ज है। फरार दलीप उर्फ विक्की के खिलाफ बराड़ा में रंगदारी मांगने और पुलिस कर्मियों से मारपीट करने जैसे मामले दर्ज हैं।

जेल में बनी थी योजना

जांच में सामने आया है कि मुख्य आरोपी दलीप और ऋतिक की मुलाकात सहारनपुर जेल में हुई थी। वहीं दोनों के बीच क्षेत्र में लूट की वारदात को अंजाम देने की योजना बनी। दलीप पहले बराड़ा क्षेत्र में रह चुका है और उसे इलाके की पूरी जानकारी थी, जिसका फायदा उठाकर उसने वारदात की योजना तैयार की। पुलिस जांच में यह भी पता चला है कि वारदात से पहले आरोपी काफी देर तक कॉलोनी में घूमकर घर की गतिविधियों पर नजर रखते रहे। घर के बाहर कार खड़ी होने के कारण वे मौके का इंतजार करते रहे। जैसे ही कार वहां से हटी, तीनों बदमाश घर में घुस गए और लूट की वारदात को अंजाम देकर फरार हो गए।

उचाना कलां पैक्स के राजपाल डूमरखा प्रधान और ईश्वर सिंह बने उपप्रधान

उचाना। उचाना कलां पैक्स प्रधान, उप प्रधान का चुनाव सर्वसम्मति से हुआ। चुनाव अधिकारी के तौर पर निरीक्षक सहकारी समितियां संजीव कुमार पहुंचे। चुनाव कार्यवाही का अधिकारी रघुबीर पूनिया को दिया गया। नवनियुक्त पैक्स डायरेक्टरों ने प्रबंधक कमेटी के प्रधान, उप प्रधान का चुनाव सर्वसम्मति से किया। उचाना कलां डायरेक्टर सुरेश नंबरदार ने प्रधान पद के लिए राजपाल डूमरखा के नाम का प्रस्ताव रखा जिसे सभी सदस्यों ने सर्वसम्मति से पारित किया। डूमरखा कलां डायरेक्टर रमेश कुमार ने उप प्रधान के लिए ईश्वर सिंह उचाना कलां के नाम का प्रस्ताव रखा जिसे सर्वसम्मति से पारित किया। राजपाल सिंह ने कहा कि जो जिम्मेदारी सौंपी गई है उसे निष्ठा से बिना किसी भेदभाव के निभाने का काम करेंगे। पैक्स में आमजन, किसानों के लिए जो-जो योजनाएं शुरू की गई है उनका लाभ हर किसी को मिले ये कोशिश रहेगी। डायरेक्टर गोपी, सतीश कुमार, बादल, विकास, मनीषा, नन्ही देवी, विकास सफा खेड़ी, राजमल, सुरेश उचाना, राजीव डूमरखा, रूद्र, मुकेश, सुभाष चंद्र, राजेश, शीलू, दलबीर मौजूद रहे।

217वें आर्मी पायलट कोर्स में प्रतीक सैनी बना 'बेस्ट ऑफिसर'

अंबाला। शहर के एसए जैन सीनियर मॉडल स्कूल के पूर्व छात्र प्रतीक सैनी (बैच 2017–18) को 217वें आर्मी पायलट कोर्स (हेलीकॉप्टर) का 'बेस्ट ऑफिसर' चुना गया है। यह प्रतिष्ठित सम्मान बेसिक फ्लाइंग ट्रेनिंग स्कूल में आयोजित समापन समारोह के दौरान दिया गया। यहां 22 आर्मी अधिकारियों की स्टेज-1 ट्रेनिंग सफलतापूर्वक पूरी हुई। सैनी के असाधारण समर्पण, नेतृत्व क्षमता, पेशेवर कुशलता और बेहतरीन प्रदर्शन के कारण उन्हें यह खास सम्मान मिला है। उनकी यह शानदार उपलब्धि स्कूल के दिनों में उनमें विकसित अनुशासन, दृढ़ता और उत्कृष्टता के मूल्यों को दर्शाती है और सभी छात्रों के लिए प्रेरणा का स्रोत है। प्रबंधक समिति के सदस्य प्रधान रजत जैन, उपाध्यक्ष डॉ. विनीत जैन, सचिव हितेश जैन, मैनेजर रितेश जैन, कोषाध्यक्ष सुनील जैन, प्रबंधक समिति के सलाहकार रविकांत जैन - के साथ-साथ प्राचार्या डॉ. रेनू गहलावत और एसए जैन सीनियर मॉडल स्कूल के स्टाफ ने प्रतीक सैनी को दिल से बधाई दी। देश की सेवा में उनकी निरंतर सफलता की कामना की साथ ही पूर्व छात्र की कामयाबी पर गर्व भी महसूस किया।

बस क्यू शेल्टर निर्माण में केस दर्ज का विरोध शुरू

अंबाला। ब्राह्मण माजरा गांव में प्रस्तावित बस क्यू शेल्टर के निर्माण को लेकर हुए विवाद में दर्ज केस का विरोध शुरू हो गया है। आरोपियों के खिलाफ एससी-एसटी एक्ट के तहत केस दर्ज होने के विरोध में सर्व समाज के लोग सामने आ गए। गांव की आंगनबाड़ी केंद्र में महापंचायत हुई। जिसमें अंबाला, यमुनानगर, समालखा, कुरुक्षेत्र, सहारनपुर आदि शहरों से विभिन्न समाजों के प्रतिनिधियों, सामाजिक संगठनों व लोगों ने भाग लिया। उन्होंने 29 मई को बस क्यू शेल्टर की रंजिश के चलते वाटर कूलर से पानी पिलाने को लेकर हुए झगड़े के बाद एक पक्ष पर दर्ज किए एससी-एसटी एक्ट को गलत बताया और निष्पक्ष जांच व मुकदमा खारिज करने की मांग उठाई।

115 ग्राम हेरोइन और गाड़ी सहित चार आरोपी गिरफ्तार, केस दर्ज

- ऑपरेशन मैदान के तहत पुलिस को मिली बड़ी सफलता

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

पुलिस द्वारा नशा तस्करों के खिलाफ चलाए जा रहे विशेष अभियान 'ऑपरेशन मैदान' को एक और बड़ी सफलता मिली है। पुलिस ने मुस्तैदी से कार्रवाई करते हुए दो अलग-अलग मामलों में 115 ग्राम हेरोइन और एक गाड़ी सहित चार नशा तस्करों को काबू किया है। इसके अलावा, सीआईए ने एनडीपीएस एक्ट के एक पुराने मामले में भी एक भगोड़े आरोपी को गिरफ्तार किया है। पहले मामले में सीआईए-1 की टीम ने गाड़ी सवार 3 तस्करों से 102.5 ग्राम हेरोइन जब्त की। जांच टीम ने थाना पड़ाव क्षेत्र के अंतर्गत टांगरी पुल शाहपुर के पास नाकाबंदी की। इस दौरान एक संदिग्ध गाड़ी को रोककर जब उसकी तलाशी ली गई तो उसमें सवार तीन आरोपियों से 102.5 ग्राम हेरोइन बरामद हुई। पुलिस ने गाड़ी को कब्जे में लेकर थाना पड़ाव में मामला दर्ज कर लिया है। आरोपियों की पहचानः अजय कुमार वासी मुलाना, विकास वासी इंद्रा कॉलोनी और सौरभ वासी सिकलीगर मोहल्ला के तौर पर हुई है। आरोपी विकास कुमार को रिमांड पर लिया गा है। आरोपी सौरभ और अजय कुमार को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। आरोपी सौरभ और विकास आदतन अपराधी हैं। दोनों के खिलाफ पहले से ही एनडीपीएस एक्ट के करीब 5-5 मामले दर्ज हैं। ये आरोपी अदालत से जमानत मिलते ही दोबारा तस्करी के धंधे में लिप्त हो जाते थे।

जर्मनी के मैक्स प्लांक इंस्टीट्यूट में प्रतिभा दिखाएंगे डॉ. रजत गोयल

- समर स्कूल में देश का प्रतिनिधित्व करेंगे गोयल

हरिभूमि न्यूज ▶▶ मुलाना

मुलाना। डॉ रजत गोयल फोटो : हरिभूमि

क्षेत्र के लिए अत्यंत गर्व और खुशी की बात है कि डॉ. रजत गोयल का चयन जर्मनी के बर्लिन स्थित विश्व प्रसिद्ध मैक्स प्लांक इंस्टीट्यूट द्वारा आयोजित प्रतिष्ठित अंतरराष्ट्रीय समर स्कूल बाऊंडेड रेशनलिटी डिसिजन मेकिंग इन दि एज ऑफ आर्टिफिशल इंटेलिजेंस के लिए हुआ है। इस समर स्कूल में विश्व की अग्रणी यूनिवर्सिटियों और शोध संस्थानों से चयनित केवल 30 प्रतिभागियों को स्थान मिला है, जिनमें डॉ. रजत गोयल भारत से एकमात्र प्रतिभागी हैं। यह उपलब्धि न केवल क्षेत्र और प्रदेश बल्कि पूरे देश के लिए गौरव का विषय है। मैक्स प्लांक इंस्टीट्यूट विश्व के सबसे प्रतिष्ठित शोध संस्थानों में से एक माना जाता है। कृत्रिम बुद्धिमत्ता , निर्णय विज्ञान, अर्थशास्त्र, मानव व्यवहार और वैज्ञानिक अनुसंधान के क्षेत्र में इसके योगदान को वैश्विक स्तर पर सम्मान प्राप्त है। मैक्स प्लांक सोसाइटी से जुड़े अनेक वैज्ञानिकों को नोबेल पुरस्कार भी मिल चुके हैं। डॉ. रजत गोयल ने भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) दिल्ली से पीएचडी पूरी की है। उनका शोध कार्य निर्णय समर्थन प्रणाली , कृत्रिम बुद्धिमत्ता तथा डेटा-आधारित प्रशासन जैसे महत्वपूर्ण विषयों पर केंद्रित है। एसएस जैन सभा से प्रवक्ता श्रीपाल जैन,अग्रवाल वैश्य सभा , व्यापार मंडल , माता बाला सुंदरी मंदिर कमेटी मुलाना, शिव धाम गौरी ताल मंदिर कमेटी सदस्यों ने उन्हें बधाई देते हुए कहा कि उन्होंने अपने माता-पिता के साथ-साथ पूरे क्षेत्र देश का नाम रोशन किया है।

आरटीए की लाइव लोकेशन लीक, 'आपसी भाईचारा' व्हाट्सएप ग्रुप पर पुलिस की कार्रवाई

- चालान प्रक्रिया के दौरान हुआ था खुलासा, ग्रुप से 305 सदस्य जुड़े

हरिभूमि न्यूज ▶▶ शहजादपुर

शहजादपुर थाने में क्षेत्रीय परिवहन प्राधिकरण के अधिकारियों और प्रवर्तन टीमों की लाइव लोकेशन लीक करने वाले एक बड़े नेटवर्क का पर्दाफाश हुआ है। आरटीए के सह-सचिव सुशील कुमार की शिकायत पर पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। यह पूरी कार्रवाई /"आपसी भाईचारा/" नामक एक व्हाट्सएप ग्रुप के खिलाफ की गई है, जिसमें करीब 305 सदस्य जुड़े हुए हैं। इस ग्रुप के मुख्य एडमिन के रूप में कप्तान सिंह (मोबाइल नंबरः 916006065203) और गब्बर सिंह (मोबाइल नंबरः 916006065202) की पहचान की गई है। पुलिस ने इस मामले में शिकायत के आधार पर भारतीय न्याय संहिताकी विभिन्न गंभीर धाराओं के तहत मुकदमा दर्ज किया है। पुलिस अब इस ग्रुप के एडमिन और बाकी सभी 305 सदस्यों की संलिप्तता की बारीकी से जांच कर रही है ताकि सरकारी काम में बाधा डालने वाले इस पूरे सिंडिकेट को तोड़ा जा सके।

वाहन चेकिंग के दौरान हुआ खुलासा

जांच टीम 5 जून 2026 को नारायणगढ़ के बनौंदी स्थित शुगरमिल के पास वाहनों की चेकिंग (चालान प्रक्रिया) कर रही थी। इसी दौरान पंजाब नंबर के एक संदिग्ध वाहन (पंजीकरण संख्याः एचआर 37 एफ7027 को रोका गया। वाहन के चालक गुरजीत सिंह पुत्र सिंह राम नवासी बशौली, डेराबस्सी के पास से बरामद सैमसंग गेलेक्सी ए 15 5 जी मोबाइल फोन की जांच करने पर इस पूरे गिरोह का खुलासा हुआ। पुलिस जांच और शिकायत के मुताबिक आरोपी चालक गुरजीत सिंह /"आपसी भाईचारा/" नाम के व्हाट्सएप ग्रुप का सदस्य पाया गया। इस ग्रुप में आरटीओ और अन्य प्रवर्तन टीमों की लाइव लोकेशन और मूवमेंट की पल-पल की जानकारी सांझा की जा रही थी।

युवा हमारे समाज का स्वर्णिम भविष्य : विक्रम

शहजादपुर। फतेहगढ़ क्रिकेट क्लब द्वारा गांव में क्रिकेट टूर्नामेंट का आयोजन किया गया। इस प्रतियोगिता में दूर दराज से आकर टीमों ने भाग लिया इस अवसर पर बतौर मुख्यातिथि विक्रांत शर्मा ने कहा कि खेल हमारे बच्चों का शारीरिक और मानसिक विकास में अग्रिणी भूमिका अदा करते हैं और खेलो से ही हमारे अंदर संगठित होकर संघर्ष करने कि भावना पैदा होती हैं और इस भावना को धारण करने से युवा पीढ़ी सामाजिक बुराइयों से दूर रहती हैं और हम सबका भी दायित्व बनता हैं कि अपने युवाओं को सही मार्ग कि ओर अग्रसर रहने के लिए सहयोग करें क्योंकि हमारे युवा हमारे समाज का स्वर्णिम भविष्य है और इस धरोहर को संजोकर रखना हम सब कि नैतिक जिम्मेवारी बनती हैं इस अवसर पर फतेहगढ़ क्रिकेट क्लब के सदस्य बंटी, डिंपी, संजू, विक्की, जेन्टी और सरपंच प्रतिनिधि ओमप्रकाश, रामपाल राणा, जंगशेर सिंग रामपाल, आदि काफी ग्रामीण मौजूद रहे।

चालक ने ट्रक में फंदा लगाकर दी जान, केस दर्ज

अंबाला। इंडस्ट्रियल एरिया में शनिवार सुबह एक युवक ने अपने ही ट्रक में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना की सूचना मिलते ही साहा पुलिस तुरंत मौके पर पहुंची। शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के मुरादाबाद निवासी बबलू के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार बबलू अपने ट्रक में माल लादकर यहां स्थित फ्रूटी फैक्ट्री में आया था। शाम के समय फैक्ट्री में ट्रक खाली करने के बाद वह वहीं रुका हुआ था। सुबह जब लोगों ने उसे संदिग्ध परिस्थितियों में देखा, तो मामले का खुलासा हुआ। सिविल अस्पताल भिजवाया शव साहा थाना पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए सिविल अस्पताल की मोर्चरी में रखवा दिया है। पुलिस ने मृतक के परिजनों को इस हादसे की सूचना दे दी है। परिजनों के अंबाला पहुंचने के बाद ही पोस्टमार्टम कराया जाएगा। युवक ने यह आत्मघाती कदम क्यों उठाया, इस बात का अभी खुलासा नहीं हो पाया है। साहा पुलिस मामले की हर पहलू से गहनता से जांच कर रही है। परिजनों के बयानों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

हरिभूमि
आवश्यक सूचना
जिन पाठकों को अखबार मिलने में किसी भी प्रकार की असुविधा हो रही हो या उनके घर में कोई अन्य अखबार दिया जा रहा हो वह इन टेलीफोन नम्बरों पर सम्पर्क करें या व्हाट्सअप करें :-
हरिभूमि, नजदीक इण्डस पब्लिक स्कूल, दिल्ली रोड, रोहतक
ऑफिस नं.: 9253681019-20, फोन : 9253681010, 9253681005

ग्रिल चोरी के मामले में दो आरोपी गिरफ्तार

अंबाला। थाना अंबाला छावनी पुलिस ने मुस्तैदी दिखाते हुए चोरी के एक मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार कर उनके कब्जे से चोरी किया गया सामान बरामद कर लिया है। मॉल रोड के गौरव शिकायत दर्ज कराई थी कि चोरों ने मकान नंबर 103, मॉल रोड के सामने से लोहे की ग्रिल चोरी कर ली है। शिकायत के आधार पर पुलिस ने तुरंत संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। आरोपियों की पहचान सतीश कुमार निवासी मॉल रोड व अमन उर्फ मोर वासी लाल कुर्ती के तौर पर हुई है। पुलिस टीम ने आरोपियों की निशानदेही पर चोरी की गई लोहे की ग्रिल को बरामद कर लिया है। पुलिस ने शिकायत के आधार पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई शुरू कर दी है।

समर कैंप के दूसरे दिन की ईश्वरीय स्मृति से की गई शुरुआत

बच्चे सोने से एक घंटा पहले बनाएं मोबाइल से दूरी : शैली

जिंदगी का नाम खुशी, हम जो कुछ भी करते हैं वो लक्ष्य के साथ करते हैं, इसलिए लक्ष्य निर्धारित करना जरूरी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ अंबाला

अंबाला। शिविर में विभिन्न गतिविधियों में हिस्सा लेते बच्चे।

अंबाला छावनी के दयागबाग स्थित ब्रह्माकुमारीज़ ईश्वरीय विश्वविद्यालय शांतिधाम में चल रहे डिवाइन किड्स समर कैंप के दूसरे दिन की शुरुआत ईश्वरीय स्मृति से की गई। यह कैंप गर्मी की छुट्टियों में बच्चों के व्यक्तित्व के विकास के उद्देश्य से आयोजित किया गया हैं। वरिष्ठ राजयोग शिक्षिका राजयोगिनी बीके शैली दीदी ने आत्म विश्वास को बढ़ाने के लिए प्रेक्टिकल उदाहरण के साथ, सहज विधि सांझा की। उन्होंने बताया हमें रोज़ सुबह उठते साथ ही और रात को सोते समय ये संकल्प बार बार करना है की में हर परिस्थिति का डटकर सामना करने वाली विजयी रत्न आत्मा हूं एवम् सफ़लता मेरा जन्मसिद्ध अधिकार है। दीदी ने सभी को बताया मन को भटकाने वाली बातों से बचने के लिए मेडिटेशन करते हैं। मेडिटेशन में हमें अपने मन को टिकाना हैं लेकिन उससे पहले हमारा शरीर भी टिका हुआ हो। हमारी बैठक ठीक होनी चाहिए। दीदी ने सभी को मेडिटेशन का अभ्यास कराते हुए बताया जैसे आसमान में तारे चमकते हैं । वैसे ही चमकता हुआ सितारा अपने मस्तक पर देखो। अपने आप को बताओ ये मैं हूं। ऊर्जा का सोर्स आत्मा हूं। जब हम अपने को सॉल समझेंगे तो हमारा गुस्सा समाप्त होता जाएंगा। हमें अपने आपको याद कराना हैं में शक्तिशाली आत्मा हूं। मोटिवेशनल स्पीकर राकेश मेहता भाई ने कहा जिंदगी का नाम है खुशी। हम जो कुछ भी करते हैं वो एक लक्ष्य के साथ करते हैं। भगवान ने हमें इस दुनिया में भेजा हैं कुछ करने के लिए कुछ बनने के लिए। जिस प्रकार पेड़ पर लगे फल को तोड़ने के लिए टारगेट पर निशाना लगाते हैं उसी प्रकार हमें भी अपने जीवन में क्या बनना हैं। ये लक्ष्य निर्धारित करना ज़रूरी है। हमारे गोल्स हमें हमारे जीवन का उचित रास्ता बताते हैं। जब हमनें लक्ष्य निर्धारित कर लिया तो हमें खुशी मिलती हैं और शरीर में एक नई उर्जा का प्रवाह होता हैं।

हरिभूमि
रविवार भारती
haribhoomi.com
छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा और मध्यप्रदेश से एक साथ प्रकाशित
रोहतक, रविवार 7 जून 2026

फीफा वर्ल्ड कप 2026
रोमांच-जुनून का ग्रैंड इवेंट

48 देशों के 1248 खिलाड़ी, फीफा वर्ल्ड कप-2026 को हासिल करने के लिए आगामी 11 जून से 19 जुलाई तक एक-दूसरे से मुकाबला करेंगे। इस दौरान सिर्फ आयोजक देशों में ही नहीं पूरी दुनिया में रोमांच और जुनून का सुरूर छाया रहेगा। इस ग्रैंड ग्लोबल स्पोर्ट इवेंट में इस बार क्या कुछ होगा खास, क्या होगा पहली बार, इसके तमाम पहलुओं पर एक नजर।

कवर स्टोरी
साशा

इसी सप्ताह 11 जून से फुटबॉल के सबसे बड़े अंतरराष्ट्रीय आयोजन फीफा वर्ल्ड कप का आगाज हो रहा है, जो 19 जुलाई 2026 तक चलेगा। 11 जून से 19 जुलाई 2026 के बीच दुनिया फुटबॉल के रंग में रंगी रहेगी। भले भारत की फुटबॉल टीम अब तक के बेस्ट 48 टीमों वाले विश्व कप का हिस्सा न हो, लेकिन भारत भी इस जुनून का हिस्सा होगा। भारत में इस दौरान तूफानी दिन नहीं रातें होंगी, क्योंकि अमेरिका और लैटिन अमेरिका में फीफा वर्ल्ड कप के मैच जब खेले जाएंगे, उस समय भारत में दिन नहीं रात होगी।

दिखेगा खेलप्रेमियों का उमंग

फुटबॉल के इस विश्व कप को लेकर पूरी दुनिया में गहमा-गहमी अपने चरम पर पहुंच चुकी है। क्योंकि फुटबॉल के तूफान का रिश्ता सिर्फ खेल भर से नहीं होता, वैश्विक राजनीति, अर्थव्यवस्था, संचार, तकनीक, वैश्वीकरण, पर्यटन आदि से भी इसका उतना ही संबंध होता है, जितना खेल से। यही कारण है कि दुनिया की धड़कनें फुटबॉल को लेकर बहुत तेज हो चुकी हैं। आने वाले दिनों में स्टेडियमों की रोशनी आसमान को बार-बार चमकाती दिखाई देगी। सड़कों पर रात-रात भर जश्न होगा। करोड़ों और कई बार तो अरबों लोग एक साथ टीवी स्क्रीन से चिपके होंगे।

जुनून का महाविस्फोट

केवल रियल वर्ल्ड में ही नहीं सोशल मीडिया पर भी आगामी दिनों में हर दिन नया इतिहास लिखा जाएगा और ऐसा हो भी क्यों न? दुनिया का सबसे बड़ा खेल महाकुंभ के आयोजन में ऐसा होना स्वाभाविक ही है। जानकार जानते हैं कि यह सिर्फ फुटबॉल के रोमांच की उमंग भर नहीं होगी, इसमें शामिल होंगे भावनाओं के ज्वार-भाटे, राष्ट्रवाद, तकनीक, अरबों डॉलर का कारोबार, इस सबके चलते ग्लैमर और जुनून का महाविस्फोट साबित होगा 2026 का फीफा वर्ल्ड कप।

तीन देशों में होगा आयोजन

शायद यह अकेली ऐसी खेल घटना होगी, जिसकी गूंज इस वर्ल्ड कप के दौरान दुनिया के हर कोने में सुनी जाएगी। इस बार तो ऐसा इसलिए भी है, क्योंकि आज तक कभी भी 48 फुटबॉल टीमें एक साथ विश्व कप को जीतने मैदान में नहीं उतरी थीं। सिर्फ यही इस महाकुंभ की खासियत नहीं होगी बल्कि पहली बार इस खेल महाकुंभ का आयोजक कोई एक देश या दो देश नहीं बल्कि तीन देश होंगे। जी हां, जून 2026 से शुरू हो रहे फीफा वर्ल्ड कप फुटबॉल के मेजबान अमेरिका, कनाडा और मैक्सिको होंगे यानी सही मायनों में यह रोमांच का ग्लोबल कर्निवाल होगा।

होंगे नए मेगा ग्लोबल एक्सपीरियंस

आकार में यह फुटबॉल विश्व कप अब तक सबसे बड़ा आयोजन होगा, क्योंकि इसमें 48 टीमें भाग ले रही हैं, जिनके 104 मुकाबले होंगे। इसके हर मुकाबले को देखने के लिए लाखों दर्शक स्टेडियमों में और करोड़ों टीवी स्क्रीन से सटे होंगे। अरबों लोग इसे डिजिटल प्लेटफॉर्म पर फॉलो करेंगे और हां, इस बार के फुटबॉल विश्व कप को जितने विज्ञापन मिले हैं और जितनी स्पोंसरशिप इस कप को मिली है, उतने विज्ञापन और स्पोंसरशिप आजतक दुनिया के किसी भी बड़े से बड़े टूर्नामेंट को नसीब नहीं हुए।

यह सचमुच फीफा के इतिहास का मेगा ग्लोबल एक्सपीरियंस होगा। यह ऐसा विश्व कप होगा, जिसमें एआई आधारित कैमरे, रियल टाइम डेटा एनालिसिस, स्मार्ट स्टेडियम और अत्याधुनिक प्रसारण तकनीक बड़े पैमाने पर इस्तेमाल होगी यानी दर्शक सिर्फ मैच नहीं देखेंगे डिजिटल फुटबॉल के रोमांच से भी दो-चार होंगे। शायद इसलिए अब कहा जा रहा है फुटबॉल खेल नहीं, अब यह एक विश्व संस्कृति बन चुकी है और ऐसा हो भी क्यों न, फुटबॉल के अलावा और भला कौन-सा ऐसा खेल है, जो अमीर-गरीब, भाषा-धर्म और सीमाओं से उठकर लोगों को जोड़ देता है। ब्राजील की गलियों से लेकर अफ्रीका के गांवों तक यूरोप के पबों से लेकर भारत के कस्बों तक इस आगामी एक महीने तक हर जगह फुटबॉल का यह जुनून दिखेगा।

इकोनॉमी को मिलेगा बूम

इस बार का विश्व कप अरबों डॉलर फुटबॉल इकोनॉमी का मॉडल भी होगा यानी, यह केवल खेल नहीं बल्कि विशाल आर्थिक इंजन भी होगा। विशेषज्ञों के मुताबिक 2026 का फुटबॉल विश्व कप पर्यटन उद्योग, होटल व्यवसाय, एयरलाइंस, विज्ञापन, स्पोर्ट्स मर्चेनडाइज और डिजिटल स्ट्रीमिंग में रिकॉर्ड कारोबार पैदा करेगा।

भारत में भी बढ़ रही दीवानगी

खुशी की बात यह है कि भारत में भी फुटबॉल करवट ले रहा है। पिछले दशक में फुटबॉल का जुनून तेजी से बढ़ा है। इंडियन सुपर लीग और यूरोपीय क्लब फुटबॉल की लोकप्रियता में युवाओं में इस खेल को लेकर एक नई तरह की दीवानगी पैदा हुई है। केरल, पश्चिम बंगाल, गोवा और उत्तर-पूर्व के राज्यों में तो विश्व कप के दौरान किसी त्योहार के माफिक माहौल हो जाता है।

कई गांवों में तो ब्राजील और अर्जेंटीना के झंडे तक दिखाई देते हैं। यह राष्ट्रवाद के साथ कोई विश्वासघात नहीं बल्कि फुटबॉल के जुनून का नशा है। इस दौरान भारत में भी पूरे समय फुटबॉल का जुनून देखने को मिलेगा। दर्शकों और डिजिटल व्यूअरशिप की एक महाशक्ति है अपना देश, इस लिहाज से भारत भी इस विश्व कप का बड़ा और अंतरंग हिस्सा होगा। *

रोनाल्डो का होगा आखिरी वर्ल्ड कप!

2022 के फुटबॉल विश्व कप को लोगों ने लियोनेल मैसी के जादू के रूप में याद रखा। लेकिन 2026 का विश्व कप शायद नई पीढ़ी के उदय का मंच होगा। यह वह महाकुंभ होगा, जहां नई पीढ़ी अपने आगाज का शंखनाद करेगी और इस बार दुनिया की नजरें खासतौर पर इन खिलाड़ियों पर रहेंगी- क्यालियन मबापे, जूड बेलिंघम, एर्लिंग हालैंड और विनीसियस जूनियर। फुटबॉल के जानकार मान रहे हैं कि 2026 का फीफा विश्व कप पोस्ट मैसी-रोनाल्डो युग की असली शुरुआत होगा। हालांकि करोड़ों प्रशंसकों की उम्मीद है कि क्रिस्टियानो रोनाल्डो आखिरी बार विश्व कप में दिखेंगे। इन पंक्तियों के लिखे जाने तक यह सौ फीसदी उम्मीद है कि रोनाल्डो अपना आखिरी विश्व कप खेलेंगे, जो कि संभवतः उनके करियर का आखिरी वर्ल्ड कप होगा। उनके होने की अभी तक उम्मीद इसलिए बरकरार है, क्योंकि वह लगातार पुर्तगाल की टीम का हिस्सा बने हुए हैं और पुर्तगाल ने विश्व कप के लिए क्वालीफाई कर लिया है। हाल में ईफा नेशनल लीग में भी रोनाल्डो ने शानदार प्रदर्शन किया है। इससे भी उनके होने की उम्मीद बनती है और ऐसा हुआ तो वह रिकॉर्ड छठा फीफा वर्ल्ड कप खेलेंगे। इसके पहले वह 2006, 2010, 2014, 2018 और 2022 का विश्व कप भी खेल चुके हैं। तो उम्मीद करिए कि यह रोनाल्डो की अंतिम महान यात्रा हो। पुर्तगाल के कप्तान ब्रूनो फर्नांडिस ने भी कहा है कि टीम रोनाल्डो को विश्व कप ट्रॉफी देकर विदा करेगी। दो दशकों से अधिक से रोनाल्डो इस महान खेल का हिस्स हैं, उन्होंने खेल से मिलने वाली लगभग हर चीज हासिल कर ली है। विभिन्न देशों के लीग खिताब, चैंपियंस लीग, बैलोन डि'ओर, अंतरराष्ट्रीय रिकॉर्ड और एक ऐसा करियर जो 25वें सीजन तक फैला हुआ है और एक हजार गोलों की ओर बढ़ रहा है।

कविता
पुरुषोत्तम व्यास

पारिजात के फूल

बड़ा अजीब-सा महसूस करता
जब से उनके बारे में
जान पाया
निशा में खिलते
भोर में जाते झर
लगता
निशा में कोई उनसे अनुराग भरी
बातें करता होगा
सुबह फिर मिलने का वादा कर
चला जाता होगा
उसी प्रेम की याद में झर जाते होंगे
फिर भी
खिले-खिले मनभावन खुशबू लेकर
स्वर्ग लोक के फूल।

लघुकथा / संजीव ठाकुर

दुकानदार

एआई इमेज

वह कपड़ों की दुकान थी, जिसमें ज्यादातर पुरुषों के लिए पैंट और शर्ट के कपड़े मिलते थे। एक ग्राहक अकसर उस दुकान पर आया करता था। एक बार जब वह अपने लिए पैंट-शर्ट के कपड़े खरीद चुका, दुकानदार बोला, 'और कुछ चाहिए सर? हमारे यहां ओढ़ने-बिछाने की चादरें भी मिलती हैं। आप देखना चाहेंगे? शहर की किसी भी दुकान की तुलना में यहां चादरें आपको सस्ती पड़ेंगी! डबल बेड की चादरें दिखाऊं?' ग्राहक बहुत दिनों से ओढ़ने की चादरें लेना चाह रहा था, लेकिन उसे ढंग की चादरें नहीं मिल रही थीं। वह बोला, 'डबल बेड की तो रहने दीजिए, ओढ़ने की दिखाइए।' दुकानदार ने अपने स्टाफ से चादरें मंगवाईं और चादरों की तारीफ करते हुए ग्राहक को दिखाने लगा, 'देखिए, इसकी क्वालिटी देखिए- ए वन!' ग्राहक ने सिंगल कलर की चादरें लेने की सोच रखी थी, लेकिन चादर के एक ओर डिजाइन बना देखकर उसका मन डोलने लगा। उसने दुकानदार से कहा, 'यह तो मुझे ओढ़ने की नहीं बिछाने की चादर लग रही है!'

'नहीं सर, ओढ़ने की ही है। ये देखिए, इसके चारों किनारों को किस तरह सिला गया है?' ग्राहक का मन डोल ही रहा था कि दुकानदार ने चादरों की कीमत बता दी, 'सिर्फ साढ़े चार सौ में दो चादरें हैं सर!' चादरों की कीमत सुनकर ग्राहक को सुखद आश्चर्य हुआ। सचमुच इतनी कम कीमत में चादरों का मिलना मुश्किल था। उसने दुकानदार से पचास रुपए कम करवाकर चादरें ले लीं। कुछ महीनों बाद उसी ग्राहक को बिछाने की चादरों की दरकार हुई। वह उसी दुकान पर पहुंच गया। डबल बेड की दो चादरें लेने के बाद उसने सिंगल बेड पर बिछाने की चादरें दिखाने को कहा। दुकानदार ने चादरें मंगवाईं। ग्राहक उन्हें देखते ही बोला, 'ये बिछाने की हैं? पिछली बार तो आपने इसे ओढ़ने की कहकर मुझे दिया था?' 'ये चीज ही ऐसी है सर कि इसे ओढ़ने, बिछाने, दोनों कामों में लाया जा सकता है।' दुकानदार ने कहा और अपनी खीसें निपोर दीं! *

व्यंग्य / विनोद कुमार विक्की

कैमरा ऑन, स्माइल प्लीज!

अगली बार जब कोई कहे 'स्माइल प्लीज', तो समझ जाइए आपको कोई खुशी नहीं दी जा रही, आपकी 'छवि' ली जा रही है। आप खुश हों या न हों, अगर कैमरा सामने ऑन हो तो मुस्कुराना ही होगा।

गहन शोध, आधे-अधूरे निष्कर्ष और पूरे आत्मविश्वास के साथ यह सनसनीखेज खुलासा हुआ है कि एक फिल्म का लोकप्रिय गीत 'मुस्कुराने की वजह तुम हो' वाला 'तुम' कोई इंसानी काया नहीं, बल्कि एक प्रभावशाली, किंतु भावशून्य उपकरण है। नब्बे फीसदी इंसान सिर्फ इसी उपकरण के सामने मुस्कुराते हैं। यह उपकरण कुछ और नहीं बल्कि कैमरा है। जी हां, वही कैमरा, जिसके सामने आते ही इंसान अपने समस्त दुःख-दर्द को ऐसे समेट लेता है, जैसे आम चुनाव के भाषण में नेताजी पिछले वर्ष की अधूरी घोषणाओं को समेट लेते हैं, और सरकार वित्तीय बजट में घाटा समेटती है। जैसे ही पेशेवर स्टूडियो के फोटोग्राफर द्वारा 'स्माइल प्लीज' का निर्देश प्राप्त होता है, या सेल्फी स्टिक पर टिके मोबाइल का फ्रंट कैमरा ऑन होता है, चेहरे पर जमी चिंता की धूल झट से उड़ जाती है और होंठों पर 3 से 5 सेंटीमीटर की मानक मुस्कान स्वतः चिपक जाती है।

यह मुस्कान इतनी अनुशासित होती है कि जाति, धर्म, लिंग, रंग, सब सीमाएं पार कर जाती है। नर, मादा, अन्य, काला, गोरा, सांवला आदि सबके चेहरे पर एक समान 'फोटो फ्रेंडली' लोकतंत्र दिखाई देता है। परंतु विडंबना देखिए, यह मुस्कान उतनी ही टिकाऊ होती है, जितने चुनावी वादे।

क्लिक होते ही मुस्कान का पुष्पक विमान सीधे वास्तविकता की शोक-वाटिका में क्रैश लैंडिंग कर देता है। फोटो में हम जितने खुश दिखते हैं, असलियत में उतने ही ईएमआई, महंगाई और बॉस के व्हाट्सएप मैसेज से त्रस्त होते हैं। उम्र से पहले ही जिम्मेदारी और परेशानियों के कारण चेहरे पर झुर्रियों की लक्ष्मण रेखाएं खिंच जाती हैं। सच तो यही है कि आज की भाग-दौड़ भरी जिंदगी में मुस्कुराना एक 'इवेंट' बन चुका है, जो मुख्यतः कैमरे के सामने ही आयोजित होता है। लगता है जैसे भाग-दौड़ भरी जिंदगी और अति व्यस्तता के बीच मुस्कान ने स्वैच्छिक अवकाश ले रखा है।

कार्यालय में काम का दबाव, वरीय पदाधिकारी का तनाव, घर में 'घरेलू प्रेशर', बाजार की महंगाई और बैंक की ईएमआई, इन सबने मिलकर होंठों की नैसर्गिक पहचान यानी, मुस्कान को जैसे गिरवी रख दिया है। ऐसे में बेचारा इंसान जब-तब मुस्कुराने के लिए अवसर ढूंढ़ता फिरता रहता है। तभी संकटमोचक बनकर प्रकट होता है, कैमरा! वह बिना किसी शर्त के प्रेमी-प्रेमिका की भूमिका निभाते हुए सामने खड़ा हो जाता है और कहता है, 'आओ, लल्ला कुछ सेकेंड के लिए थोबड़े पर मुस्कुराहट लाओ ताकि हम उस छवि को कैद कर सकें।' बस फिर क्या, जो मुस्कान बेमियादी हड़ताल पर थी, वह भी तुरंत एक्टिव हो जाती है और चेहरे पर 'इमरजेंसी स्माइल' आ जाती है।

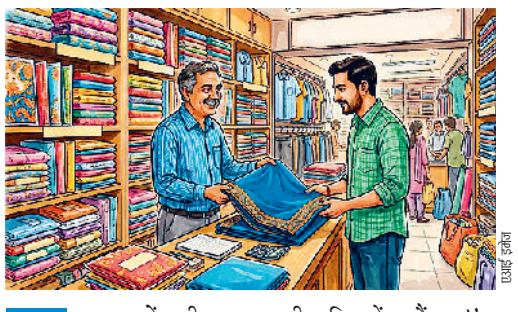

मजेदार बात यह है कि कैमरे के कारण हमें नकली मुस्कान हासिल होती है, जबकि कुछ घटनाएं स्वाभाविक (नेचुरल) मुस्कान का अवसर भी प्रदान करती हैं। दूसरों की असफलताओं पर, पड़ोसियों को दुःखी देखकर अथवा रिश्तेदारों के नुकसान या पतन पर भी एक हल्की-सी 'आंतरिक मुस्कान' जरूर उग आती है, जिसे हम सामाजिक संतुलन बनाए रखने के लिए चेहरे पर प्रकट नहीं होने देते। आत्मिक सुख के साथ हम मन ही मन उसका आनंद लेते रहते हैं। यद्यपि चलते-फिरते किसी परिचित चेहरे से सामना होने पर भी मुस्कुराने का अभिनय किया जाता है।

मुस्कुराहट के नवीनीकरण की जिम्मेदारी अब तो शहर में लगी तख्तियों ने अपने ऊपर ले रखी है, 'मुस्कुराइए, आप झुमरीतलैया में हैं', 'मुस्कुराइए, आप हाईटेक स्माइल सिटी में हैं!' असल में ये कोई साधारण संदेश नहीं, बल्कि सांस्कृतिक अनुस्मारक हैं, 'भाई, यहां मुस्कुराना मत भूल जाना, वरना लोग पहचान लेंगे कि तुम सच में परेशान हो!' मनोचिकित्सक भी सलाह देते हैं, 'हंसते रहिए, मुस्कुराते रहिए।' इसी सलाह को उद्योग का रूप देते हुए लाफ्टर शो, हास्य कवि सम्मेलन और अब रील संस्कृति भी मैदान में उतर चुकी है। लोग हंसने के लिए वीडियो देखते हैं और वीडियो बनाने के लिए हंसते हैं, यह एक आत्मनिर्भर चक्र है। मुस्कान अब भाव नहीं, एक 'प्रोजेक्ट' बन चुकी है, जिसका उद्घाटन कैमरे के सामने होता है और समापन तुरंत बाद। इसलिए अगली बार जब कोई कहे 'स्माइल प्लीज', तो समझ जाइए आपको खुशी नहीं दी जा रही, आपकी 'छवि' ली जा रही है। अंततः निष्कर्ष यही है कि आप खुश हों या न हों, अगर कैमरा सामने ऑन हो तो मुस्कुराना ही होगा। *

पुस्तक चर्चा / विज्ञान भूषण

स्मृतियों की कतरनें

वरिष्ठ साहित्यकार नवनीत मिश्र के छोटे-छोटे संस्मरणों की किताब 'कितना कुछ तो है' हाल में प्रकाशित होकर आई है। इसमें उन्होंने अपने बचपन से लेकर वर्तमान समय तक की छोटी-छोटी मधुर स्मृतियों की कतरनों को बहुत सलीके से संजोया है। इनसे गुजरते हुए यह साबित होता है कि उनके भीतर का सजग लेखक हमेशा, गहन संवेदनशीलता के साथ अपने जीवन में घटित होने वाली घटनाओं और लोगों को देखता, महसूसता और उनके संग जीता रहा है। इन संस्मरणों को लिखने का अंदाज कहीं भी बनावटी नजर नहीं आता है। अपने भीतर के कमजोर पक्षों को भी उन्होंने पूरी ईमानदारी से स्वीकार किया है। 'बहिन जी', 'चोर पकड़ा गया' और 'एक थे पलाली बाबू' में उनके बचपन की मासूमियत भरी छवि उजागर हुई है तो युवावस्था में कार्यक्षेत्र में 'रहमान साहब' जैसे लोगों ने उनको प्रभावित किया। इसी तरह रिटायरमेंट के बाद कार ड्राइविंग सीखने के दौरान प्रशिक्षक से मिला अनुभव 'बैकव्यू मिरर' भी वे भूल नहीं पाए।

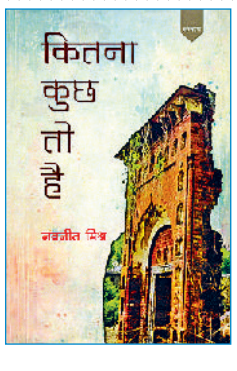

आमतौर पर साहित्यिक संस्मरण प्रसिद्ध हस्तियों पर केंद्रित होते हैं, लेकिन इस पुस्तक के संस्मरणों में जिस तरह से लेखक ने अपने जीवन में शामिल रहे सामान्य लोगों को सहृदयता से याद किया है, वह उनके भावुक व्यक्तित्व का परिचायक है। अपनी कहानियों की ही तरह बहुत सरल, सहज शैली में लिखे उनके ये संस्मरण, मन को छू लेते हैं। यह भी कह सकते हैं कि इन संस्मरणों में नवनीत जी की आत्मकथा स्पष्ट तौर पर झांकती हुई नजर आती है। *

पुस्तक: कितना कुछ तो है (संस्मरण), **लेखक:** नवनीत मिश्र, **मूल्य:** 450 रुपए, **प्रकाशक:** भावना प्रकाशन, दिल्ली

शिमला समर फेस्टिवल – 2026

सजेगी सांस्कृतिक रंगों की छटा

हिमाचल प्रदेश की राजधानी शिमला में आयोजित होने वाले सबसे बड़े सांस्कृतिक उत्सवों में से एक है इंटरनेशनल शिमला समर फेस्टिवल। कल से शुरू हो रहे इस आयोजन में देश-विदेश के पर्यटक हिमाचल समेत देश की विविधरंगी संस्कृति की मोहक छटा से रूबरू हो सकेंगे। इस आयोजन की खासियतों पर एक नजर।

कल्चरल इवेंट
धीरज बसाक

जून की तपती गर्मी जब उत्तर भारत के मैदानी इलाकों को झुलसाने लगती है, तब हिमालय की गोद में बसा शिमला रंगों, संगीत और लोक संस्कृति के एक उत्सवी खुमार में डूब जाता है। आगामी 8 से 12 जून तक आयोजित होने वाला इंटरनेशनल शिमला समर फेस्टिवल इस बार केवल एक पर्यटन आयोजन नहीं बल्कि हिमाचल की सांस्कृतिक पहचान और लोकजीवन का एक बड़ा उत्सव बनकर सामने आ रहा है।

साढ़े छह दशक पुराना उत्सव: शिमला के ऐतिहासिक रिज मैदान और माल रोड पर होने वाला यह पांच दिनों का सांस्कृतिक महोत्सव, देशभर के पर्यटकों, कलाकारों और संस्कृति प्रेमियों को आकर्षित करता है। सन् 1960 में शुरू हुआ यह उत्सव, हिमाचल प्रदेश के सबसे पुराने सांस्कृतिक आयोजनों में से एक है। इसकी शुरुआत राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने और स्थानीय संस्कृति को मंच देने के उद्देश्य से की गई थी। समय के साथ यह आयोजन इतना लोकप्रिय हो गया कि आज इसे उत्तर भारत के प्रमुख ग्रीष्मकालीन सांस्कृतिक महोत्सवों में गिना जाता है।

शिमला समर फेस्टिवल इसलिए भी महत्वपूर्ण है, क्योंकि यह उस भारत की तस्वीर प्रस्तुत करता है, जो आधुनिकता के साथ अपनी सांस्कृतिक जड़ों को भी संजोए रखना चाहता है। हिमालय की ठंडी हवाओं के बीच लोकनृत्य, संगीत, कला और परंपरा का यह संगम साबित करता है कि संस्कृति केवल इतिहास नहीं बल्कि वर्तमान और भविष्य की बड़ी ताकत है।

सांस्कृतिक विविधता के होंगे दर्शन: शिमला समर फेस्टिवल की सबसे बड़ी पहचान उसकी सांस्कृतिक विविधता है। यहां केवल हिमाचली लोककला ही नहीं बल्कि देश के विभिन्न राज्यों की लोक परंपराएं भी एक मंच पर दिखाई देती हैं। इस बार उत्तराखंड का चोलिया नृत्य, जम्मू-कश्मीर का गोजरी नृत्य, राजस्थान का भवई और घूमर नृत्य के साथ ही तिब्बती सांस्कृतिक प्रस्तुतियों को भी शामिल किया जाएगा। इससे यह आयोजन देश की मिली-जुली संस्कृतियों की झांकी दिखाएगा। हिमाचल की प्रसिद्ध महानाटी और पारंपरिक नाटी नृत्य इस उत्सव का मुख्य आकर्षण माने जाते हैं। नाटी केवल एक लोकनृत्य नहीं बल्कि पहाड़ी समाज की सामूहिक सांस्कृतिक स्मृति है, जब सैकड़ों कलाकार एक साथ पारंपरिक वेशभूषा में नृत्य करते हैं, तो पूरा रिज मैदान जीवंत लोकचित्र में बदल जाता है। यही दृश्य हर वर्ष हजारों पर्यटकों को आकर्षित करता है।

नाटी लोकनृत्य करते स्थानीय कलाकार

होता है विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रमों का आयोजन

आयोजित होते हैं ट्रेडिशनल फैशन शोज

माल रोड पर फेस्टिवल का विहंगम दृश्य

कलाकारों को मिलेगा अवसर: आयोजकों के अनुसार, इस साल लोकप्रिय गायकों और लोक कलाकारों की प्रस्तुतियां हर शाम आयोजित की जाएंगी। इसके अलावा युवा कलाकारों को भी मंच दिया जाएगा। आयोजन के दौरान इस तरह की पहल स्थानीय प्रतिभाओं को राष्ट्रीय पहचान दिलाने में मदद करेगी।

अर्थव्यवस्था में योगदान: यह उत्सव केवल मनोरंजन तक सीमित नहीं है। इसके माध्यम से स्थानीय अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलती है। होटल, टैक्सी, रेस्त्रां, हस्तशिल्प व्यवसाय और स्थानीय बाजारों में पर्यटकों की संख्या बढ़ने से आय में उल्लेखनीय वृद्धि होती है। शिमला का प्रसिद्ध लक्कड़ बाजार, हस्तनिर्मित लकड़ी के उत्पादों और स्थानीय शॉलों के लिए जाना जाता है, जहां इस दौरान काफी भीड़ दिखाई देती है। फूड फेस्टिवल भी इस आयोजन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। यहां पर पर्यटकों को पारंपरिक हिमाचली व्यंजन जैसे सिड्डू, मदरा, बबरू और धाम का स्वाद लेने का अवसर मिलता है।

सांस्कृतिक संरक्षण का महत्वपूर्ण माध्यम: शिमला समर फेस्टिवल, केवल एक पर्यटन कार्यक्रम नहीं है बल्कि यह सांस्कृतिक संरक्षण का महत्वपूर्ण माध्यम है। तेजी से बदलती जीवनशैली और डिजिटल मनोरंजन के दौर में ऐसे आयोजन स्थानीय परंपराओं को जीवित रखने का काम करते हैं। युवा पीढ़ी यहां लोकनृत्य, लोकसंगीत और क्षेत्रीय कलाओं से परिचित होती है, जिससे सांस्कृतिक विरासत आगे बढ़ती है। शिमला का रिज मैदान ब्रिटिश काल से ही विभिन्न तरह की सांस्कृतिक गतिविधियों का केंद्र रहा है। यह ऐतिहासिक स्थल आज भी शहर की सांस्कृतिक पहचान बना हुआ है। इंटरनेशनल शिमला समर फेस्टिवल के दौरान जब शाम ढलते ही रोशनी से जगमगाता रिज मैदान, लोकसंगीत की धुनों से गूंजता है तो शिमला ही नहीं पूरे हिमाचल प्रदेश की उत्सवधर्मिता देखते ही बनती है। *

खास है इस बार का आयोजन

इस साल का इंटरनेशनल शिमला समर फेस्टिवल, कई दृष्टियों से खास और अलग होगा। इस आयोजन में लोकनृत्य, संगीत प्रस्तुतियां, कला प्रदर्शनियां, फ्लावर शो, फूड फेस्टिवल, ट्रेडिशनल माउंटेनियरिंग फैशन शो और विभिन्न राज्यों की सांस्कृतिक झलकियां देखने को मिलेंगी। इसके साथ ही पहली बार 'राइड ऑफ सेवन हिल्स' नामक हेलिकॉप्टर जॉय राइड भी शामिल की जा रही है, जिसके जरिए पर्यटक शिमला की सात पहाड़ियों का हवाई दृश्य देख सकेंगे।

सेल्फ मोटिवेशन
शिखर चंद जैन

सफलता पाने के लिए टैलेंट और हार्ड वर्क तो जरूरी है ही, इसके साथ बिहेवियर कल्चर यानी व्यवहार संस्कृति भी मायने रखती है। क्या है बिहेवियर कल्चर, सक्सेस में क्या होती है इसकी भूमिका, आपको जरूर जानना चाहिए।

सक्सेस के लिए वर्क के साथ बिहेवियर कल्चर भी जरूरी

अधिकांश लोग मानते हैं कि सफलता सिर्फ प्रतिभाशाली यानी टैलेंटेड लोगों को ही मिलती है। लेकिन सच यह है कि सफलता सिर्फ टैलेंट से नहीं, बल्कि वर्क और बिहेवियर कल्चर से भी प्रभावित होती है। इन दोनों क्वालिटीज को अपनाकर एक औसत दर्जे का व्यक्ति या ऐसे लोगों की टीम भी सफलता हासिल कर सकती है। 'वर्क कल्चर' के बारे में तो लोग फिर भी जानते हैं लेकिन बिहेवियर कल्चर यानी व्यवहार संस्कृति को लेकर आपके मन में जिज्ञासा हो सकती है, इसलिए इसे समझना भी जरूरी है।

क्या होता है बिहेवियर कल्चर

बिहेवियर कल्चर का तात्पर्य उन तौर-तरीकों, सामाजिक मानदंडों, मूल्यों और आचरण के नियमों से है, जो किसी समाज या समूह में व्यक्तियों के एक-दूसरे के साथ बातचीत करने और प्रतिक्रिया देने के तरीके को निर्मित करते हैं। डैनियल कॉयल ने अपनी पुस्तक 'द कल्चर कोड' में बेहतरीन टीमों और समूहों के सफल होने के पीछे के रहस्यों को उजागर किया है। डैनियल ने दुनिया की सबसे सफल टीमों का अध्ययन कर पाया कि उनकी सफलता तीन स्तंभों पर टिकी है-

सुरक्षा का निर्माण: टीम के सदस्यों को यह महसूस कराना कि वे सुरक्षित हैं और एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं।

कमियों को साझा करना: अपनी कमियों को स्वीकार करना ताकि आपसी विश्वास, सहयोग बढ़े।

उद्देश्य स्थापित करना: वर्तमान काम को भविष्य के एक साझा लक्ष्य या उद्देश्य से जोड़ना।

ऐसे अपनाएं बिहेवियर कल्चर

आप अपनी प्रोफेशनल या बिजनेस करियर में बिहेवियर कल्चर को कुछ इस तरह लागू कर सकते हैं-

अपनी कमियों को स्वीकारें: अकसर लोग अपनी गलतियों को छुपाते हैं ताकि वे कमजोर न लगें। लेकिन शोध बताते हैं कि जब लीडर अपनी कमजोरी साझा करता है, तो टीम के बीच परस्पर खुलापन और विश्वास बढ़ता है। जब आप कहते हैं, 'मैंने यहां गलती की, आपकी क्या राय है?' तो आप दूसरों को मदद करने और ईमानदारी दिखाने के लिए आमंत्रित करते हैं।

सुनने की कला विकसित करें: जब आप ध्यान से सुनते हैं, तो आप टीम में अपना महत्व बढ़ा लेते हैं। सुनते समय लोगों को बीच में न टोकें और वक्ता के विचारों को विस्तार देने वाले प्रश्न पूछें। जब कोई व्यक्ति महसूस करता है कि उसे गहराई से सुना गया है, तो उसका जुड़ाव और जिम्मेदारी का भाव बढ़ जाता है।

साझा लक्ष्य की शक्ति: यदि सबको पता है कि मंजिल कहां है, तो रास्ता आसान हो जाता है। अपनी टीम को याद दिलाते रहें कि उनका काम बड़े लक्ष्य में कैसे योगदान दे रहा है। टीम को सिर्फ 'क्या करना है' न बताएं, बल्कि 'क्यों करना है' पर भी जोर दें।

अहंकार को दूर रखें: सफल व्यवहार संस्कृति में 'पद' से ज्यादा 'विचार' को महत्व दिया जाता है। जहां हर व्यक्ति को अपनी बात रखने की आजादी होती है, वहीं नए आइडियाज जन्म लेते हैं।

छोटे व्यवहार, बड़ा बदलाव: समय पर आना, दूसरों की मेहनत की सराहना करना और कठिन समय में साथ खड़े होना। ये छोटी-छोटी आदतें और व्यवहार निवेश की तरह हैं, जो भविष्य में टीम की मजबूती के रूप में 'कंपाउंड इंटरेस्ट' देते हैं।

नकारात्मकता पर लगाएं लगाम: अगर कोई व्यक्ति लगातार नकारात्मकता फैला रहा है या दूसरों को नीचा दिखा रहा है, तो ऐसे व्यवहार को तुरंत नकारें ताकि समूह की सामूहिक ऊर्जा और विश्वास सुरक्षित रहे।

फीडबैक का सही तरीका अपनाएं: किसी को उसकी गलती नीचा दिखाने या डांटने के लिए नहीं बल्कि सुधार और उसे क्षमताओं का पूरा इस्तेमाल करने की प्रेरणा देने के लिए बताएं। गलती बताते हुए हमेशा यह जताएं कि आप फीडबैक इसलिए दे रहे हैं क्योंकि आपको उनकी क्षमता पर भरोसा है। *

ट्रेडिशन / अभिव्यक्ति त्रिवेदी

भारत समेत दुनिया के कई देशों के जनजातीय समुदायों में महिलाओं के लिए कुछ अजीबो-गरीब और कष्टप्रद परंपराएं प्रचलित हैं। इनमें से कुछ के बारे में जानिए।

अजब-अनोखी जनजातीय परंपराएं

प्राचीन काल से ही भारत सहित दुनिया के कई देशों में रहने वाले जनजातीय समाजों में अनेक ऐसी परंपराएं मौजूद रही हैं, जो शारीरिक तौर पर बहुत तकलीफदेह होती हैं। इनमें भी ज्यादातर पैनिक ट्रेडिशंस महिलाओं से जुड़ी हैं। ऐसी ही कुछ अजीबो-गरीब ट्रेडिशंस के बारे में यहां बता रहे हैं।

गले में धातु के छल्ले: म्यांमार देश में रहने वाली कायन जनजाति की महिलाएं अपने गले में पीतल या ब्रास धातु के बने छल्ले पहनती हैं। कहा जाता है कि इससे उनकी गर्दन जिराफ की गर्दन की तरह लंबी हो जाती है। ब्रास या पीतल की धातु के इन छल्लों का वजन करीब 20 किलो तक होता है। इसी से आप अंदाजा लगा सकते हैं कि इनको पहनकर महिलाएं कैसे रहती होंगी और कैसे खेतों में काम करती होंगी। वे महिलाएं अपने गले में ये छल्ले एक के ऊपर एक करके पहनती हैं। इसमें नीचे सबसे बड़े आकार का छल्ला होता है और ऊपर की तरफ पहने जाने वाले छल्ले छोटे होते जाते हैं। वहां पर बचपन से ही लड़कियों के गले में छल्ले डालने लगते हैं, जिससे उनके गले का आकार सुराहीनुमा और लंबा होता जाता है।

इस प्रथा के शुरू होने के पीछे यह मान्यता थी कि लंबी गर्दन वाली महिलाएं बदसूरत नजर आएंगी तो उसे दूसरी जनजाति के लोग अगवा नहीं करेंगे। इस तरह वो खुद को सुरक्षित रखने के लिए गर्दन लंबी करती थीं। इसके पीछे की एक मान्यता यह भी है कि जिन जंगली गांवों में ये लोग रहते हैं, वहां बाघ भी पाए जाते हैं, जो अकसर इंसानों पर हमला कर देते हैं। हमले में बाघ सबसे पहले इंसान की गर्दन पर हमला करते हैं, इसलिए यहां की महिलाओं ने अपने गले को धातु के छल्लों से ढंकना शुरू कर दिया।

काले दांत की परंपरा: ऐतिहासिक प्रमाणों के अनुसार जापान में रहने वाली कुछ जनजातीय महिलाएं विवाहित होने पर अपने दांतों को काले रंग से रंगती थीं, जिसे 'ओहागुरो' कहा जाता था। ओहागुरो में महिलाओं द्वारा लोहे के बुरादे और सिरके के मिश्रण से दांतों को काला किया जाता था।

9वीं से 19वीं शताब्दी तक प्रचलित रही यह प्रथा सुंदरता, विवाह और उच्च सामाजिक स्थिति का प्रतीक थी। दांत काले करने का सबसे बड़ा उद्देश्य दांतों की सुरक्षा करना हुआ करता था। यह दांतों की सड़न को रोकने में मदद करती थी। इसमें उपयोग होने वाले मिश्रण में लौहतत्व और हर्बल टैनिन होते थे, जो दांतों को मजबूत बनाते और कीड़ों से बचाते थे। इसे आधुनिक डेंटल सीलेंट के समान माना जाता है।

जापान के अलावा वियतनाम, थाईलैंड, लाओस तथा फिलीपींस की हिल ट्राइब्स में भी ये परंपरा प्रचलित थी। यही नहीं, इंडोनेशिया और पेरू में जनजातियों द्वारा सांस्कृतिक पहचान के रूप में भी इसे अपनाया जाता था। हालांकि 1870 में जापान में इस परंपरा पर प्रतिबंध लगा दिया गया। दरअसल, पश्चिमी सौंदर्य मानकों और वहां की महारानी के बिना काले किए दांत दिखने के बाद यह बदलाव आया। धीरे-धीरे यह प्रथा केवल नाटकों और त्योहारों तक सीमित हो गई। आजकल, ओहागुरो को केवल कुछ जापानी त्योहारों, ऐतिहासिक फिल्मों आदि में ही देखा जा सकता है।

होंठों में प्लेट: इथियोपिया के ओमो घाटी में रहने वाली जनजातियों में से एक है मुर्सी जनजाति। ये लोग कई तरह के पारंपरिक वस्त्र और आभूषण पहनते हैं। इस जनजाति की महिलाओं द्वारा निचले होंठ में मिट्टी या लकड़ी की प्लेट (डिस्क) पहनना सुंदरता, परिपक्वता और सामाजिक स्थिति का प्रतीक माना जाता है। 15 से 16 साल की उम्र की लड़कियों में इस परंपरा को किया जाता है। इसमें निचले होंठ को काटा जाता है, फिर घाव भरने तक गीले कपड़े से ढंककर रखा जाता है। फिर उसमें प्लेट फंसा दी जाती है। होंठ को खींचकर उसमें प्लेट डालने की यह प्रक्रिया बेहद दर्दनाक होती है।

होंठों में प्लेट पहनने का चलन अविवाहित लड़कियों और नवविवाहित महिलाओं में अधिक देखने को मिलता है। आमतौर पर इन्हें पुरुषों को भोजन परोसने, गायों का दूध दुहने और शादी जैसे महत्वपूर्ण अनुष्ठानों के दौरान पहना जाता है। इस प्लेट के कई अर्थ हैं। पहला, यह अत्यधिक सुंदरता का प्रतीक है। दूसरा, यह पति के प्रति निष्ठा का भी प्रतीक है इसीलिए पति को भोजन परोसते समय इसे बड़े गर्व से पहना जाता है। *

नाक में लकड़ी के प्लग लगाना

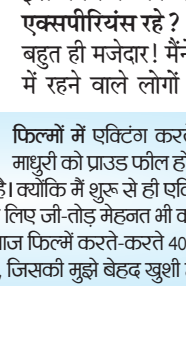

अपने देश के खूबसूरत राज्य अरुणाचल प्रदेश की घाटियों में रहने वाली अपतानी जनजाति अपनी अनोखी संस्कृति और परंपराओं के लिए मशहूर है। इस जनजाति की महिलाओं में चेहरे पर टैटू और नाक में दोनों ओर काली लकड़ी के प्लग लगाने की परंपरा रही है। यह अनोखी प्रथा इन्हें अन्य समुदायों से अलग करती है और उनकी एक अलग पहचान बनाती है। जहां आमतौर पर महिलाओं में नाक छिदवाना सुंदरता का प्रतीक माना जाता है, वहीं इन जनजातियों में यह प्लग पहनना आकर्षण और विशेष सौंदर्य का प्रतीक माना जाता है।

बीते 4 जून को माधुरी दीक्षित नेने की फिल्म 'मां-बहन' नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुई है। फिल्म में दो यंग बेटियों की सिंगल मदर का रोल उन्होंने क्या सोचकर एक्सेप्ट किया? लंबे गैप के बाद कॉमेडी करके उन्हें कैसा लगा? फिल्मों में चार दशक गुजारने पर वे कैसा फील करती हैं? फिल्म और करियर से जुड़ी बातचीत माधुरी दीक्षित नेने से।

फिल्म 'मां-बहन' में मैं बिंदास मां बनी हूं: माधुरी दीक्षित नेने

खास मुलाकात / आरती सक्सेना

बॉलीवुड दिवा माधुरी दीक्षित नेने, अपनी खूबसूरत मुस्कान, शोख अदाओं और कमाल की अभिनय क्षमता के बल पर सालों से दर्शकों को दीवाना बनाती आई हैं। हर रोल को वह बेहतरीन तरीके से परफॉर्म करती हैं। माधुरी की एक्टिंग परफॉर्मेंस का कमाल एक बार फिर नेटफ्लिक्स पर हाल ही में रिलीज फिल्म 'मां-बहन' में दर्शकों को देखने को मिल रहा है। इस फिल्म में माधुरी दो बेटियों की सिंगल मदर का किरदार निभा रही हैं। लेकिन यह सिंगल मदर बेचारी नहीं बल्कि शोख अदाओं का जादू बिखेरने वाली बिंदास और सशक्त मां है। फिल्म में माधुरी के साथ तृप्ति डिमरी, रवि किशन, धरना दुर्गा, गीतांजलि कुलकर्णी, शार्दुल भारद्वाज और अरुणोदय सिंह भी हैं। इस फिल्म की कहानी पूजा तोलानी और सुरेश त्रिवेणी ने लिखी है। फिल्म को डायरेक्ट किया है सुरेश त्रिवेणी ने। पेश है माधुरी दीक्षित नेने से इस फिल्म को लेकर हुई बातचीत के प्रमुख अंश-

नेटफ्लिक्स पर रिलीज फिल्म 'मां-बहन' में कौन-सी बात आपको ऐसी लगी, जो आपने फिल्म में दो जवान बेटियों की सिंगल मदर की भूमिका निभाने का मन बना लिया?

इस फिल्म में भले ही मैं दो बेटियों की सिंगल मदर हूं, लेकिन मैं बेचारी और दुखियारी मां नहीं हूं, बल्कि इस फिल्म में मैं ऐसी मां बनी हूं, जो अपनी उम्र की परवाह न करते हुए एकदम ग्लैमरस और बिंदास दिखती है। फिल्म में मेरे किरदार का नाम रेखा है। रेखा अपना परिवार चलाने के लिए कभी साइबर कैफे तो कभी वाइन शॉप में काम करती है। साथ ही अपनी अदाओं से मर्दों को घायल करके अपना उल्लू भी सीधा कर लेती है। मेरा किरदार इस फिल्म में परंपरागत मां से बिल्कुल अलग है। मैं इस फिल्म में जिंदगी को पूरी तरह जीने वाली बिंदास मां बनी हूं। यह अपने आप में एकदम अलग भूमिका है और मजेदार भी। मुझे खुशी है कि मेरी इस फिल्म 'मां बहन' को दर्शकों का प्यार मिल रहा है। क्रिटिक्स को भी फिल्म पसंद आ रही है, इसे अच्छे रिव्यूज और रेटिंग्स मिल रहे हैं।

क्या इस फिल्म का टाइटल 'मां-बहन' आपको बहुत अटपटा नहीं लगा?

फिल्म के डायरेक्टर और को-राइटर सुरेश त्रिवेणी जब पहली बार मुझे इस फिल्म की कहानी सुनाने आए तो मैंने फिल्म का टाइटल पूछा। जब सुरेश जी ने फिल्म का टाइटल 'मां बहन' बताया तो मुझे लगा कि वह मजाक कर रहे हैं। लेकिन जब मैंने इस फिल्म की कहानी सुनी तो मुझे फिल्म का टाइटल सही लगा, क्योंकि यह टाइटल फिल्म की कहानी से पूरी तरह रिलेट करता है।

फिल्म के एक सीन में तृप्ति डिमरी, धरना दुर्गा के साथ माधुरी दीक्षित

आप इस फिल्म में काफी समय बाद कॉमेडी करती दिखीं। कैसा अनुभव रहा?

मुझे हमेशा से कॉमेडी फिल्म में काम करना पसंद रहा है। जब मुझे 'मां-बहन' फिल्म ऑफर हुई तो मुझे इसकी कहानी बहुत अच्छी लगी, क्योंकि इस फिल्म में लड़कियों और महिलाओं की भावनाओं को हास्य रूप में प्रस्तुत करते हुए एक बेहतरीन भावनात्मक कहानी को पेश करने की कोशिश की गई है। यह एक ऐसी फिल्म है, जो जिंदगी के कई रंगों को प्रस्तुत करती है। इस फिल्म के जरिए मेरी डार्क कॉमेडी में एंट्री हुई है। इस फिल्म में क्राइम, थ्रिल और इमोशंस के साथ-साथ कॉमेडी को भी डिफरेंट तरीके से प्रस्तुत किया गया है। यह पूरी फैमिली के साथ बैठकर देखी जाने लायक एंटरटेनमेंट से भरपूर फिल्म है।

इस फिल्म की शूटिंग के दौरान कैसे एक्सपीरियंस रहे?

बहुत ही मजेदार! मैंने इसमें एकदम उत्तर प्रदेश में रहने वाले लोगों की स्टाइल में डायलॉग्स बोले हैं, जिसमें मुझे बहुत मजा आया। सेट पर माहौल बहुत अच्छा रहता था। फिल्म में मेरी बेटियों का रोल निभा रहीं तृप्ति डिमरी और धरना दुर्गा के साथ मैं खूब मस्ती-मजाक करती थी। चूंकि यह फिल्म सस्पेंस मर्डर और कॉमेडी से भरपूर मजेदार कहानी है, इसलिए सेट पर माहौल भी पॉजिटिव और हंसी-मजाक वाला रहता था। सुरेश त्रिवेणी बहुत ही अच्छे कहानीकार और डायरेक्टर हैं, वो सेट पर हमेशा हल्का-फुल्का और पॉजिटिव माहौल रखते थे।

जब आप अपने फिल्मी सफर को याद करती हैं तो किन फिल्मों को लेकर आपको बेहद खुशी होती है?

मेरी कई ऐसी फिल्में हैं, जो सिर्फ सफल ही नहीं हुईं बल्कि जिसने मुझे और मेरे किरदार को भी यादगार बनाया, 'देवदास', 'हम आपके हैं कौन', 'तेजाब', 'दिल तो पागल है' ऐसी कितनी ही फिल्में हैं, जिनमें अभिनय करके मुझे संतुष्टि और खुशी मिली।

आप पर फिल्माए गए कई गाने आज भी पॉपुलर हैं, जैसे 'धक-धक करने लगा', 'चोली के पीछे क्या है' आदि। इन सॉन्ग्स को लेकर आप क्या कहेंगी?

मुझे खुशी होती है कि मेरे ऊपर फिल्माए गए गाने आज की पीढ़ी भी पसंद करती है। मैं जिस भी पार्टी फंक्शन में जाती हूं, वहां 'धक धक' गाने पर लड़कियों का डांस मुझे देखने को मिलता है। मैं खुद कई बार इस गाने पर पार्टी फंक्शन में डांस कर चुकी हूं। इसी तरह 'एक दो तीन', 'चोली के पीछे क्या है', 'चने के खेत में' और 'डोला रे डोला' जैसे सभी गाने आज भी पॉपुलर हैं, यह देखकर खुशी मिलती है। *

एक्टिंग करते बीत गए 40 साल

फिल्मों में एक्टिंग करते 40 साल बीतने पर क्या माधुरी को प्राउड फील होता है, पूछने पर वह कहती हैं, 'प्राउड तो नहीं कह सकती हां, खुशी जरूर होती है। क्योंकि मैं शुरू से ही एक्टिंग लाइन में आना चाहती थी। मैंने अपने आपको फिल्मों में स्टेब्लिश करने के लिए जी-तोड़ मेहनत भी की है। शुरुआत में तो लगता था कि पता नहीं मैं सफल होऊंगी या नहीं, लेकिन आज फिल्में करते-करते 40 साल निकल गए और इन सालों में मैंने कई बेहतरीन और यादगार फिल्में की, जिसकी मुझे बेहद खुशी है।